आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 07 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 215
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

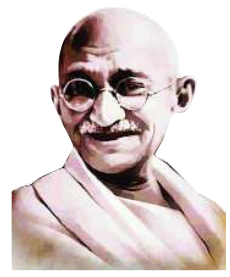

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

सरवटे बस स्टैंड रोड से गंगवाल का काम आज भी अधूरा

पेज-2

मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर को याद किया रिद्धि डोगरा ने

पेज-5

आईडीए के नाम पर फिर बनी फर्जी एनओसी...

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- यूपी एसटीएफ का बड़ा एनकाउंटर : अंबेडकरनगर में 1 लाख का इनामी आसिफ छैमार ढेर
- बागी गुट को टीएमसी का जवाब : 14 पन्नों के जवाब में दावों को बताया बेबुनियाद
- जकार्ता में भारत-इंडोनेशिया वार्ता : पीएम मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो की बड़ी बैठक
- इंद्रदेव सिंह हत्याकांड में आज फैसला : लक्ष्मी सिंह के पिता की हत्या पर कोर्ट सुनाएगी सजा
- व्हाट्सएप को मिली मोहलत : सरकार के नोटिस पर जवाब के लिए मिले 3 और दिन
- दोपहर 3 बजे सीईसी से बड़ी बैठक : प्रह्लाद जोशी और कुमारस्वामी के साथ रहेंगे कई नेता
- चीन में कुदरत का कहर : हुबेई प्रांत में भीषण तूफान से 8 लोगों की मौत, भारी तबाही
- बांग्लादेश : NCP की छात्र रैली में बम धमाका, 3 घायल
- दिल्ली के राज पार्क इलाके में दो भाइयों पर चाकू से जानलेवा हमला, एक की मौत
- शेख हसीना के खिलाफ क्रांति की दूसरी बरसी पर दहला बांग्लादेश : ढाका में बम विस्फोट
- अमेरिका ने चीन के इंटरकॉन्टिनेंटल रेंज मिसाइल परीक्षण पर जताई चिंता

कचरा वाहन खरीदने में नगर निगम ने लगाया ब्रेक

निगम की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कई टेंडर पर लगी रोक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहरभर में स्वच्छता में एक बार फिर अव्वल आने के लिए नगर निगम ने एक ओर जहां अपना सफाई अभियान तेज कर दिया है। वहीं दूसरी ओर कई तरह के स्वच्छता के मामले में उपयोग आने वाले नए वाहनों व अन्य सामग्री की खरीदी के लिए टेंडर भी जारी किए थे। अभी हाल ही में कुछ टेंडरों पर रोक लगा दी है क्योंकि निगम की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

बताया जा रहा है कि नगर निगम ने अलग-अलग वार्ड में स्वच्छता को लेकर लगातार सफाई अभियान चलाने की दिशा में काम करने के लिए लगभग 100 के आस-पास डोर 2 डोर कचरा वाहन खरीदने की तैयारी की थी। इसमें भी लगभग 80 के आस-पास नई इलेक्ट्रिक गाडियों को खरीदने की प्राथमिकता दी गई। ऐसे में किस तरह से वाहन खरीदे जाएं क्योंकि इस पर भी करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं इसलिए ऐसी स्थिति में अभी थोड़ा सा कचरा वाहनों पर ब्रेक लगा दिया है। यह भी तय किया जा रहा है कि एक या दो महीने में फिर से नए वाहनों की खरीदी हो सकती है। अभी की स्थिति में लगातार सफाई अभियान न केवल तेज चल रहा है बल्कि कई काम ऐसे भी हैं जहां पुराने वाहनों को जो कई जोन पर अकाले में पड़े हैं उनको भी सुधारने की कोशिश की जा रही है। अभी की स्थिति में अगर पुराने वाहनों को सुधार दिया जाए तो नए वाहन खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन परेशानी को देखते हुए अब ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही डेस्टबिन, लीटरबिन आदि नए खरीदे जा रहे हैं। वह सफाई के लिए छोटे बड़े उपकरण भी जो कम खर्च में खरीदे जा सकते हैं उनको भी खरीदने का काम नगर निगम कर रहा है। सफाई अभियान को लेकर एक बार फिर से तेजी से काम चल रहा है। राजेंद्र राठौर ने बताया कि अभी की स्थिति में निगम की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सोच समझकर सामग्री खरीदने का काम चल रहा है। स्वच्छता के मामले में वैसे बराबर अभियान चलाया जा रहा है।

जलभराव-भीषण जाम से हालात बिगड़े, लोक निर्माण विभाग ने मजबूरी में शुरू किया ब्रिज का एक हिस्सा

अधूरा बना रेती मंडी ब्रिज, बिना लोकार्पण ट्रैफिक के लिए खोला

फिनिशिंग और लोड टेस्ट अभी भी बाकी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की बहुप्रतीक्षित रेती मंडी ब्रिज परियोजना एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस ब्रिज को औपचारिक लोकार्पण से पहले ही ट्रैफिक के लिए खोलना पड़ा। लगातार चार दिनों से हो रही बारिश के कारण राजेंद्र नगर-राऊ मार्ग की सर्विस रोड पर जलभराव, गहरे गड्ढों और भीषण ट्रैफिक जाम ने हालात इतने बिगाड़ दिए कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को यह फैसला लेना पड़ा।

फिलहाल बिज की एक लेन पर राऊ से राजेंद्र नगर की ओर जाने वाले वाहनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर, राजेंद्र नगर से राऊ जाने वाले वाहन अब भी सर्विस रोड से ही गुजर रहे हैं। दत्त नगर की ओर बनने वाली दूसरी भुजा का निर्माण अधूरा है और उसे पूरा होने में अभी लगभग चार महीने का समय लग सकता है। बारिश के दौरान सर्विस रोड की स्थिति बेहद खराब हो गई थी। जगह-जगह पानी भरने से सड़क के गड्?ढे दिखाई नहीं दे रहे थे, जिससे दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे थे। घंटों तक लगने वाले जाम से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इसी दबाव के चलते विभाग ने बिना किसी औपचारिक उद्घाटन के ब्रिज का एक हिस्सा वाहनों के लिए खोल दिया। हालांकि, यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी मानी जा रही है। ब्रिज पर अभी फिनिशिंग का काम, सुरक्षा संबंधी परीक्षण और लोड टेस्ट बाकी है।

तीन वर्षों से चल रहा निर्माण

अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर निर्माण कार्य पूरा करने के लिए इस हिस्से को दोबारा बंद भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस ब्रिज का निर्माण पिछले तीन वर्षों से चल रहा है। निर्माण के दौरान दत्त नगर रेलवे क्रॉसिंग की ओर बनी भुजा में तकनीकी त्रुटि सामने आने के बाद उसे दोबारा बनाया जा रहा है, जिससे परियोजना लगातार विलंब का शिकार हुई। अब बारिश के बीच बिना लोकार्पण ब्रिज खोलने की नौबत ने परियोजना की कार्यप्रणाली और निर्माण की गति पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

उज्जैन-इंदौर रोड पर बवाल

दो गायों की मौत के बाद ग्रामीणों ने ट्रैवल्स की बस फूंकी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उज्जैन-इंदौर मुख्य मार्ग पर सोमवार को बड़ा बवाल देखने को मिला। तेज रफ्तार यात्री बस की चपेट में आने से दो गायों की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने ट्रैवल्स की बस में आग लगा दी, जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। राहत की बात यह रही कि घटना के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने आगजनी और तोड़फोड़ के मामले में जांच शुरू कर दी है। इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की वजह से आए दिन सड़क हादसे होते हैं, लेकिन सुरक्षा के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मवेशियों और राहगीरों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की है।

■ **हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों को लेकर फिर उठे सवाल :** स्थानीय लोगों के मुताबिक जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां से लगातार भारी वाहन और यात्री बसें गुजरती हैं। कई बार ग्रामीणों ने प्रशासन से स्पीड कंट्रोल, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन स्थिति में खास बदलाव नहीं आया। सोमवार को दो गायों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा अचानक फूट पड़ा और उन्होंने बस को आग के हवाले कर दिया।

CUET-PG एडमिशन : पहले राउंड के बाद DAVV में 50% से ज़्यादा सीटें खाली रही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में CUET-PG एडमिशन का पहला राउंड उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा; सीटें मिलने के बावजूद सिर्फ़ आधे कैंडिडेट्स ने ही अपना एडमिशन कन्फर्म किया। यूनिवर्सिटी ने काउंसलिंग के पहले चरण में अपने 16 टीचिंग डिपार्टमेंट्स के ज़रिए 31 पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स में लगभग 1,400 सीटें अलॉट की थीं। हालांकि, तय समय-सीमा के अंदर सिर्फ़ 800 कैंडिडेट्स ने ही एडमिशन फ़ीस जमा की, जिससे अलॉट की गई सीटों में से लगभग 50% सीटें खाली रह गईं।

बची हुई सीटों को भरने के लिए यूनिवर्सिटी ने काउंसलिंग का दूसरा राउंड शुरू कर दिया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस चरण में ज़्यादा संख्या में कैंडिडेट्स एडमिशन प्रोसेस पूरा करेंगे। मौजूदा एडमिशन साइकल में स्टूडेंट्स की पसंद में भी साफ़ बदलाव देखने को मिला है। इस साल MBA फाइनेंस सबसे ज़्यादा पसंद किया जाने वाला पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम बनकर उभरा है, जबकि MBA मार्केटिंग और MBA ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में भी लगभग 80% सीटें कन्फर्म हुई हैं। स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स के प्रोग्राम्स को भी स्टूडेंट्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। हालांकि, ज़्यादातर दूसरे पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज़ अभी भी मनमुताबिक एनरोलमेंट पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी अधिकारियों के अनुसार, कम कन्वर्ज़न रेट (सीट मिलने के बाद एडमिशन लेने वालों की कम संख्या) की एक बड़ी वजह चॉइस-लॉकिंग और अपग्रेडेशन प्रोसेस को लेकर कन्फ्यूज़न थी। जिन कैंडिडेट्स को उनकी पहली पसंद वाले डिपार्टमेंट में सीट नहीं मिली।

अवैध होर्डिंग हटाने हेतु कांग्रेस का प्रदर्शन नेता प्रतिपक्ष के पोस्टरों पर खुद ही घिरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में अवैध होर्डिंग और पोस्टरों को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन कर निगम आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने शहरभर में नियमों के विरुद्ध लगाए जा रहे होर्डिंग और पोस्टरों को तत्काल हटाने की मांग करते हुए कहा कि इससे शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस खुद भी सवालों के घेरे में आ गई, क्योंकि हाल ही में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोटे के स्वागत में शहर के कई हिस्सों में लगे होर्डिंग और पोस्टर भी चर्चा का विषय बने हुए हैं।

शहर की सुंदरता बचाने की मांग- कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बिना अनुमति लगाए जा रहे होर्डिंग और पोस्टर शहर की सुंदरता को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने नगर निगम से अभियान चलाकर सभी अवैध होर्डिंग हटाने और नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की। साथ ही सभी राजनीतिक दलों से भी अपील की कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अवैध होर्डिंग लगाने से बचें।

सोनिला मिमरोट के पोस्टरों पर उठे सवाल प्रदर्शन के बीच कांग्रेस को उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा, जब हाल ही में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट के स्वागत में लगाए गए बड़े-बड़े होर्डिंग और पोस्टरों का मुद्दा सामने आया। इसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर सवाल उठाए।

कहा- पहले अपने अवैध होर्डिंग हटाए, कांग्रेस बोली- कार्यकर्ताओं पर होगी कार्रवाई

मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण के लिए नगर निगम का नया मॉडल

छावनी और जिंसी सड़क 60 फीट चौड़ी बनेगी लेकिन भवन अनुज्ञा 80 फीट अनुसार मिलेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम ने मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण के लिए नया मॉडल तैयार किया है। इसके तहत सड़क चौड़ीकरण के लिए मास्टर प्लान में निर्धारित चौड़ाई को फिलहाल व्यवहारिक रूप से कम कर सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसका पहला उदाहरण छावनी क्षेत्र है। यहां रहवासियों के विरोध को देखते हुए निगम ने पहले चरण में सड़क को 60 फीट चौड़ा बनाने का निर्णय लिया है, जबकि भवन अनुज्ञा अब भी मास्टर प्लान में निर्धारित 80 फीट सड़क की चौड़ाई के अनुसार ही जारी की जाएगी।

चौड़ाई कम कराने के प्रयास होंगे-इस व्यवस्था का अर्थ यह है कि यदि शेष 20 फीट क्षेत्र में कोई निर्माण किया जाता है, तो भविष्य में दूसरे चरण में सड़क चौड़ीकरण होने पर संबंधित भवन स्वामी को निर्माण हटाना पड़ सकता है। निगम मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई 60 फीट करने का प्रस्ताव लाकर रहवासियों को स्थायी राहत देने का प्रयास करेगा, ताकि भविष्य में किसी अन्य मकान को नहीं तोड़ना पड़े।

निर्धारित चौड़ाई पर ही होंगे नक्शे पास

नगर निगम के जनकार्य विभाग के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि जब तक इंदौर मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई 80 फीट दर्ज है, तब तक भवन अनुज्ञा उसी के अनुसार जारी की जाएगी। भवन स्वामियों को भविष्य में नुकसान से बचने के लिए 80 फीट चौड़ाई छोड़कर ही निर्माण करना चाहिए। यही कारण है कि निगम मास्टर प्लान के अनुसार ही बिल्डिंग परमिशन जारी करेगा। फिलहाल छावनी और जिंसी क्षेत्र में रहवासियों को राहत देने के लिए केवल 60 फीट चौड़ी सड़क के अनुसार बाधक हिस्से ही हटाए गए हैं।

मैहर : ट्रक में पीछे से जा घुसी तेज रफ्तार एक्सयूवी कार

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

मैहर (एजेंसी) ● मैहर जिले में सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-30 NH-30 पर तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ट्रक से टकरा गई। भीषण हादसे में पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार सवार सभी लोग जन्मदिन की पार्टी मनाकर लौट रहे थे। इस खबर ने पूरे क्षेत्र के लोगों को झक-झोरकर रख दिया है। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम रिगरा के पास तेज रफ्तार से दौड़ रही एक एक्सयूवी कार सामने चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार छह युवक कार के अंदर ही बुरी तरह फंस गए। हादसे में पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

न्यूज ब्रीफ

महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किला भवन, इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रभारी प्रो. शीतल ब्राह्मणे के तत्वावधान में 6 जुलाई को साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के प्रति प्रेरित करना था।

एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण सत्र दोपहर 12 बजे से अपराह्न 03 बजे तक आयोजित किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ के रूप में शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार सोनी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों को समझना और संकट की स्थिति में संकाय सदस्यों को कुशल मार्गदर्शक के रूप में तैयार करना था।

रोजगार मेले का सफल आयोजन, निजी कम्पनियों ने दी 300 युवाओं को नौकरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर जिले में युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी दिलाने तथा स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार रोजगार मेले का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में एक ओर सफल रोजगार मेला आज जिला रोजगार कार्यालय में सम्पन्न हुआ। इस मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित 12 कम्पनियों ने 300 युवाओं का चयन विभिन्न पदों के लिए किया। यह मेला मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। आयोजित युवा संगम कार्यक्रम में कुल 12 कंपनीयो के 300 से अधिक विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु इनके प्रतिनिधियो द्वारा साक्षात्कार लेकर निजी कंपनी में रोजगार और अपरेंटिशिप हेतु प्राम्भिक रूप से चयन किया गया।

सरवटे बस स्टैंड रोड से गंगवाल का काम आज भी अधूरा, रात के अंधेरे में हो रही दुर्घटनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरवटे 2 गंगवाल रोड आज भी अधूरी है। कई साल बीत गए कई अधिकारी मौका निरीक्षण पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक तक दौरा करके गए हैं लेकिन काम है कि पूरा होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हरसिद्धि इलाके में रोजाना खासकर शाम को कई घंटों तक जाम तो अब आम हो गया है।

फाइल फोटो

बताया जाता है कि इस सड़क को लेकर अलग-अलग टेंडर जारी किए गए हैं लेकिन कुछ काम ऐसे हैं कि चंद्रभागा से हरसिद्धि यानी मच्छी बाज़ार इलाके तक काम शुरू ही नहीं हो पा रहा है। यहां पर अलग-अलग अड़चनें आ रही है और सबसे अधिक परेशानियां भी यही है एक और तो चंद्रभागा से यहाँ तक में गड्ढे इतने हो गए और रात में स्ट्रीट लाइट एलईडी बंद होने से भी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कुछ वाहन चालक तो कई बार गिरते पड़ते रहते हैं और कई मर्तबा हमेशा बड़ी दुर्घटना का भी अंदेशा बना रहता है। इस मामले को लेकर अभी तक कोई काम नहीं हो पाया है। इलाके के विधायक गोलू शुक्ला ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी चर्चा की और इधर से भी चर्चा की है लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। यहां पर सड़क चौड़ीकरण के बाद ही कुछ निर्माण होगा लेकिन आखिर सडक चौड़ीकरण में सबसे अधिक बाधा क्या है ? यह समझ से परे है कोई भी अधिकारी खुलकर चर्चा नहीं कर पा रहा है। यहां पर खासकर हरसिद्धि इलाके में और खातीपुरा तक रोजाना कई घंटों तक यातायात जाम रहता है। यहां पर स्थिति सबसे अधिक खराब है लेकिन कोई देखने को तैयार नहीं है। आज भी परेशानियां बढ़ती जा रही है जिसके चलते सड़क का काम आज तक अधूरा रह गया है। कई वर्ष बीत गए हैं सडक कब पूरी होगी? इस बारे में कोई कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि जल्द ही आगे का काम करने की संभावना हम लोग कर रहे हैं।

ट्रिपिंग में और कमी लाई जाए, मौसमी कारण से अवरोध हो तो कम समय में दूर करें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप कुमार सिंह ने सोमवार को समय सीमा बैठक में स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली प्रदाय किया जाए। ट्रिपिंग में और की लाने की जरूरत हैं, इसी के मद्देनजर मैंटेनेंस की गुणवत्ता पर फोकस किया जाए। सिंह ने कहा कि मौसम बिगड़ने पर यदि कहीं अवरोध की स्थिति बनती हैं तो टीमवर्क कर कम समय में बिजली आपूर्ति सामान्य की जाए। प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा कि स्टोर प्रभारी सामग्री का भंडारण एवं मैदानी कार्यालयों को सामग्री जारी करने का लेख-जोखा लंबित नहीं रखें, मैदानी कार्यालयों से स्क्रैप भी समय पर लाया जाए, ताकि प्रत्येक वित्तीय वर्ष में स्क्रैप से आंकलन के अनुसार राजस्व प्राप्त हो सके। सिंह ने मानव संसाधन विभाग, वाणिज्य संकाय, सतर्कता संकाय, स्मार्ट मीटर परियोजना, कार्य व परियोजना संकाय आदि के प्रभारियों को समय पर कार्य करने एवं गुणवत्ता का ध्यान रखने को कहा।

अभिभाषक संघ का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर अभिभाषक संघ की नवीन कार्यकारिणी का सम्मान समारोह गजासीन शनि धाम पर डॉ. दादू महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया । नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पाल, उपाध्यक्ष जितेन्द्र नीम (काका), सचिव धर्मेंद्र गुर्जर, सह सचिव निमेश सोलंकी, कोषाध्यक्ष श्रीमती पल्लविका अध्यारू, सुधीर व्यास (हैप्पी), स्नेहिल वर्मा (लक्की) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी सम्माननीय सदस्यों को डॉ. दादू महाराज संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। गुरुदेव डॉ. दादू महाराज,इंदौर एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मगरवार,वीणा विपट सेंट्रल एक्साइज सुप्रीटेंडेंट के मुख्य आतिथ्य में उपस्थित सदस्यों ने सभी अतिथियों का पुष्पमाला, शॉल, श्रीफल, सिद्ध अभिमंत्रित चंदन की माला, स्मृति चिन्ह, 'कर्मफल दाता शनिदेव' पुस्तक,शनि चालीसा प्रदान कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अशोक भुसारी,नानेश तायडे, राहुल बुंदेला,सुमित बालानी,संचित सोमवंशी सहित कई भक्त उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत मनोज हार्डिया, आशीष साहू, हेमराज चौधरी ने किया, संचालन विजय अंबेकर ने और अंत में आभार नवीन मंडलोई ने माना।

गुरु गोरखनाथ के सम्मान में उठी जनभावना की लहर

बापट चौराहा मेट्रो स्टेशन के नामकरण की मांग को मिला सत्ता और समाज का मजबूत समर्थन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बापट चौराहा स्थित मेट्रो स्टेशन का नाम महायोगी गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर रखने की मांग अब निर्णायक दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। नाथ समाज की इस वर्षों पुरानी मांग को लगातार जनसमर्थन मिलने के साथ-साथ अब जनप्रतिनिधियों का खुला समर्थन भी प्राप्त हो रहा है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखे जाने के बाद इंदौर के लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है।

नाथ समाज एवं नाथ जोगी मराठी समाज लंबे समय से दो प्रमुख मांगों को लेकर प्रयासरत हैं। पहली मांग उज्जैन स्थित महाकाल लोक में महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की भव्य प्रतिमा स्थापित किए जाने की है, जबकि दूसरी मांग इंदौर के बापट चौराहा स्थित मेट्रो स्टेशन का नाम गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर रखे जाने की है। समाज का मानना है कि इन मांगों की पूर्ति भारतीय संस्कृति, योग परंपरा और सनातन आध्यात्मिक विरासत के सम्मान का प्रतीक बनेगी।

आस्था के केंद्र से जुड़ा है नामकरण का प्रस्ताव

विधायक रमेश मेंदोला ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि बापट चौराहा स्थित भगवान गुरु गोरखनाथ मंदिर हजारों श्रद्धालुओं और नाथ समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर के समीप स्थित मेट्रो स्टेशन का नाम 'महायोगी योगाचार्य गुरु गोरखनाथ जी मेट्रो स्टेशन' रखा जाना जनभावनाओं के अनुरूप होगा।

पत्र में यह भी कहा गया है कि महायोगी गुरु गोरखनाथ भारतीय योग, अध्यात्म, तप, साधना और लोककल्याण की महान परंपरा के अग्रदूत रहे हैं। उनके नाम पर मेट्रो स्टेशन का नामकरण होने से इंदौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग एवं आध्यात्मिक संस्कृति की नई पहचान मिलेगी। साथ ही नई पीढ़ी भी भारतीय संत परंपरा के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा प्राप्त कर सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पश्चात नाथ समाज द्वारा इस मांग को व्यापक स्तर पर उठाया गया है। समाज का कहना है कि जब पूरी दुनिया योग की शक्ति को स्वीकार कर रही है, तब योग परंपरा के महान प्रवर्तक महायोगी गुरु गोरखनाथ के सम्मान में यह निर्णय प्रदेश के लिए गौरव का विषय होगा।

नाथ समाज, संत समाज और हजारों श्रद्धालुओं की निगाहें अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्णय पर टिकी हुई हैं। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेश सरकार जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी। उनका कहना है कि यदि यह मांग स्वीकार होती है तो यह केवल नाथ समाज की नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, योग परंपरा और आध्यात्मिक विरासत की भी ऐतिहासिक विजय होगी।

'द परफेक्ट क्रश' - यादों और भावनाओं से बुनी एक प्रेमकथा

जल्द ही इंस्टाग्राम पर एपिसोडिक रील्स के रूप में रिलीज़ होगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द परफेक्ट क्रश, एक एपिसोडिक इंस्टाग्राम रील सीरीज़, का प्रीमियर द क्रश कॉफी, गीता भवन पर हुआ। इस सीरीज़ की कहानी इंदौर के ऋषभ राज शर्मा ने लिखी और क्रिएट की है जबकि पटकथा और निर्देशन मनीषा काग ने किया है। सीरीज़ का निर्माण द क्रश कॉफी के फाउन्डर - डायरेक्टर पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी ने किया है। प्रीमियर पर मेहमानों और मीडिया के साथ एक ऐसी कहानी शेयर की गई जो मोबाईल स्क्रीन पर संवेदनाओं और कैफ़े कल्चर की आत्मीयता को जोड़ते हुए डिजिटल दर्शकों तक पहुँचने का नया तरीका सामने लाती है। कहानी कबीर (ऋषभ राज शर्मा) और माही (चारु सोलंकी) की है, जिनकी दोस्ती क्रश कैफ़े से शुरू होती है और आख़िरी दिन की यात्रा में बदल जाती है। माही अपने करियर के लिए इंदौर छोड़ने वाली होती है, लेकिन कबीर उसे शहर के दस अलग-अलग क्रश कॉफी आउटलेट्स पर ले जाता है। हर जगह उनकी यादों, अनकही भावनाओं और रिश्ते के नए अध्याय खुलते हैं। लॉयल्टी कार्ड, गुलाब, पुराने पल, सीक्रेट वॉइस नोट्स और सरप्राइज़ चुनौतियों के ज़रिए यह सफ़र दर्शाता है कि कभी-कभी ज़िंदगी के सबसे खूबसूरत रिश्ते एक साधारण कॉफ़ी कप से शुरू होते हैं। सीरीज के प्रोड्यूसर और द क्रश कॉफी के फाउन्डर - डायरेक्टर पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा: 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि यह उन भावनाओं और रिश्तों को दर्शाता है जिन्हें कैफ़े अक्सर संजोते हैं। द परफेक्ट क्रश केवल दो किरदारों की कहानी नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि जगहें, यादें और छोटे-छोटे पल कैसे रिश्तों को आकार देते हैं। मुझे यह कहानी इसलिए पसंद आई क्योंकि यह एक सच्ची, जुड़ाव भरी और भावनात्मक कहानी है।'

निर्देशक मनीषा काग ने कहा: 'हमने एक ऐसी कथा गढ़ने की कोशिश की है जो अंतरंग हो लेकिन सिनेमाई भी। इंस्टाग्राम रील्स हमें दर्शकों तक उनके रोज़मर्रा के फ़ॉर्मेट में पहुँचने का मौका देती हैं, लेकिन गहराई के साथ। हर एपिसोड छोटा है, असरदार है और भावनात्मक रूप से जुड़ने वाला है।' लेखक और अभिनेता ऋषभ राज शर्मा, जो कबीर का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा: 'कबीर एक ऐसा किरदार है जो चुपचाप ताक़त और अनकहे प्यार का प्रतीक है।

प्रदेश में अद्वितीय तथा अविस्मरणीय निःशुल्क काफियों का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर गोल्ड कॉइन सेवा ट्रस्ट (दशरथ सेवा ट्रस्ट) मेधावी निर्धन और निशय विद्यार्थियों को विकेट 6 वर्ष से फेर नोटबुक 60% से ऊपर अंक प्राप्त को 6 नोटबुक का वितरण किया जा रहा है। इस साल भी सभी विद्यार्थियों को 51000 नोटबुक का वितरण किया गया। इस पुनीत कार्य को करने में स्वर्गीय बालकृष्ण जी बेड़िया और हाटकेश्वर महादेव सेवा समिति द्वारा सहयोग किया गया। 5 जुलाई को बच्चों और अभिभावकों को निरंतर नोटबुक वितरित की गईद्य जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय भाई अग्रवाल और साथी अनिल अग्रवाल, नितेश गोयल, सुनील कुमार चौधरी अपने परिवार सहित श्रीमती चंचल अग्रवाल, ऊषा राठी, कृति गोयल तथा अनीता गोयल व अन्य साथियों द्वारा दिन भर सेवा कार्य किया गया द्य इस पुनीत कार्य को करने पर नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए विद्यार्थियों और अभिभावकों ने संस्था के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है।

ओप्पो इंडिया ने रेनो16 सीरीज पेश की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज ओप्पो इंडिया ने अपनी रेनो16 सीरीज लॉन्च की। इस सीरीज में भारत के पहले होलोवर्स 3डी डिजाईन, 50एमपी के मेन और 3.5एक्स टेलीफोटो लेंस वाले एआई पोर्ट्रेट कैमरा, नैचुरल टोन इमेजिंग और ऑल-फोकल-लेंथ 4के 60एफ़पीएस एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ दो स्मार्टफोन रेनो16 और रेनो16सी पेश किए गए हैं। ये स्मार्टफोन युवाओं के लिए बनाए गए हैं। रेनो16 सीरीज केवल एक कम्युनिकेशन डिवाईस नहीं, बल्कि कैमरा और क्रिएटिव स्टूडियो के साथ प्रोडक्टिविटी कंपेनियन और पर्सनल असिस्टेंट भी है। रेनो16 सीरीज में जहाँ शानदार कंटेंट के लिए एआई रीमिक्स कोलाज, पॉप कैम और पॉपआउट 2.0 जैसे एआई पॉवर्ड टूल हैं, वहीं लेटेस्ट कलरओएस16 की मदद से बहुत ही इंटैलिजेंट अनुभव भी मिलता है। इसलिए रेनो16 सीरीज के साथ यूजर आसानी से क्रिएट, कनेक्ट और एक्सप्रेस करने में समर्थ बनते हैं। गोल्डी पटनायक, हेड, पीआर एंड कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा आज की पीढ़ी के लिए स्मार्टफोन केवल एक डिवाईस नहीं है, बल्कि उनकी क्रिएटिविटी दिखाने और कहानियों एवं व्यक्तित्व को कैप्चर करने के लिए हमेशा उनके साथ रहने वाला कंपेनियन भी है। रेनो सीरीज हमेशा से ट्रेंडसेटिंग डिजाईन के साथ बेहतरीन इनोवेशन पेश करती आई है। यह सीरीज वैसे ही आगे बढ़ी है, जैसे युवा क्रिएट और कनेक्ट करते हैं। रेनो16 सीरीज के साथ हम अब तक का सबसे एक्सप्रेसिव डिजाईन लेकर आए हैं। इसमें अभी तक का सबसे इंटैलिजेंट कैमरा अनुभव और एआई दिया गया है, जो बैकग्राउंड में काम करते हुए हर क्रिएटिविटी को आसान बना देता है। रेनो16 सीरीज में हर इनोवेशन को सोच समझकर यूजर्स के लिए विकसित किया गया है।

स्कीम नंबर 97 स्लाइज 4 के भूखंडों को लेकर नहीं मिल रही एनओसी

कई भूखंड मालिक लगा रहे प्राधिकरण में चक्कर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्कीम नंबर 97 पार्ट 4 के अंतर्गत आने वाले कई इलाके में पुराने जमीन के टुकड़ों को लेकर अब परेशान होना पड़ रहा है। वजह कई सालों तक ध्यान नहीं देने के बाद अचानक जब भूखंड के उपयोग को लेकर याद आई तो प्राधिकरण की ओर से एनओसी नहीं मिल रही है।

बताया जा रहा है कि इसी स्कीम के सिरपुर तालाब के आस-पास कुछ ऐसे भूखंड है जिनके खसरे देखने पर कृषि भूमि उपयोग के तहत नजर आते हैं। ऐसे में वास्तविक जमीन मालिक जब प्राधिकरण कार्यालय में एनओसी के लिए जाता है तब समझ में आता है कि यह तो प्राधिकरण की स्कीम में लंबे समय से है जबकि इतने समय तक जमीन मालिक अपनी जमीन समझ रहा था। मास्टर प्लान में भी आज भी कुछ इलाके में सिरपुर तालाब के आस-पास जमीन रहवासी कृषि भूमि ही दर्शा रहा है। ऐसे में परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। कुछ मामले में जब जमीन मालिक विकास प्राधिकरण में अपनी खसरा नकल प्राधिकरण द्वारा अधिकृत की गई जमीन है मालिक को इसकी जानकारी नहीं है। ऐसे कुछ मामले को लेकर चर्चाएं लगातार चल रही है लेकिन अभी तक इस मामले में कुछ स्थाई हल नहीं निकल पा रहा है। जमीन मालिक एक और परेशान है तो दूसरी ओर प्राधिकरण की ओर से यहां पर अभी तक कोई ऐसा काम नहीं किया गया है जिसके चलते जमीन मालिक को फायदा मिल रहा है। तमाम कोशिशों के बावजूद एनओसी नहीं मिल पा रही है।

भू-अर्जन शाखा अधिकारी सुदीप मीणा ने बताया कि अगर उक्त खसरे भू अर्जन शाखा में दर्ज हैं और हमारी योजना में शामिल है तो फिर उस योजना के तहत जमीन का उपयोग किया जाएगा। वैसे यह मामला पूरी तरह से मेरी चर्चा में नहीं आया है और न ही मुझे इसकी जानकारी है।

राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में है अग्रसर : मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पूरे सम्मान के साथ मनाई जा रही है। डॉ. मुखर्जी के 'एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए विश्व में विशेष पहचान बनाई है। डॉ. मुखर्जी ने देश और समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना की। राज्य सरकार ने डॉ. मुखर्जी की जयंती के अवसर पर 15 दिवसीय जनकल्याण पखवाड़े की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के सभी गरीब, जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

रियल एस्टेट कारोबारी मनीष बिड़ला की हार्ट अटैक से मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बिचौली मर्दाना क्षेत्र में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी मनीष बिड़ला की 52 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वे फिटनेस को लेकर बेहद सजग रहते थे और मैराथन में भी भाग लेते थे। उनकी मौत ने उनके दोस्तों और परिचितों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि संतुलित जीवनशैली और नियमित व्यायाम करने के बावजूद हार्ट अटैक क्यों आ रहे हैं। इसे लेकर डॉक्टरों का कहना है कि नियमित व्यायाम करने के बावजूद हार्ट अटैक होने के मामलों में ज्यादातर कारण आनुवंशिक होते हैं या व्यक्ति को पहले से कोई हृदय संबंधी बीमारी होती है, जिसके बारे में उसे जानकारी नहीं होती। मनीष को रविवार दोपहर अचानक सीने में दर्द उठा। वे अपने भतीजे के साथ कार से रिंग रोड स्थित एक निजी अस्पताल के लिए निकले, लेकिन रास्ते में ही उन्हें तेज दर्द होने लगा। भतीजा कुछ समझ नहीं पाया। जब वह मनीष को लेकर अस्पताल पहुंचा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

38 आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण हो - सिलावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने सांवेर विधानसभा क्षेत्र की साढ़े चार करोड़ से निर्मित होने वाली सभी 38 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण आगामी दो माह के भीतर पूर्ण कर शीघ्र लोकार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मंत्री सिलावट ने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली, पेयजल, शौचालय, भोजन सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों एवं महिलाओं को उच्च गुणवत्ता वाला पोषण आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए तथा केंद्रों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी आंगनबाड़ी केंद्र में किसी प्रकार की समस्या या बाधा सामने आती है तो उसका तत्काल संज्ञान लेकर शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 07 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

हरिद्वार में इंदौर की 'योग यात्रा' का लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं चमेलीदेवी योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में शहर में चल रहे विभिन्न योग केन्द्रों के सूत्रधार समाजसेवी विनोद अग्रवाल एवं प्रेमचंद गोयल का हरिद्वार स्थित अखंड दया धाम, सप्तसरोवर मार्ग पर वृन्दावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद के सानिध्य एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जेपी माहेश्वरी, उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट प्रयागराज के न्यायमूर्ति शरद यादव, पंचायती अखाडा निर्वाणी के सचिव एवं अखाडा परिषद के अध्यक्ष रवीन्द्र पूरी महाराज तथा महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानन्द भारती और स्वामी आत्मानंद के विशेष आतिथ्य में सम्मान किया गया। हरिद्वार से लौटकर किशोर गोयल एवं राजेश बंसल ने बताया कि इस अवसर पर इंदौर की योग गतिविधियों पर केन्द्रित स्मारिका 'योग यात्रा' का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनेक संत विद्वानों, न्याय जगत की हस्तियों एवं उत्तराखंड के अनेक विशिष्ट मेहमानों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और कार्यक्रम के सूत्रधार श्रीमती कनकलता-प्रेमचंद गोयल एवं श्रीमती कृष्णा-विजय गोयल की योग, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, समाज, शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं की खुले मन से सराहना की। गत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर नगर निगम की ओर से प्रेमचंद गोयल को योग अलंकरण से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के चुनाव का शंखनाद आज से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की शीर्ष संस्था श्री अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी गोपालदास अग्रवाल एवं सहायक चुनाव अधिकारी मनीष खजांची और अरविंद अग्रवाल वेल्यूअर ने मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। नामांकन फॉर्म वितरण की प्रक्रिया 7 से 10 जुलाई तक प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक केन्द्रीय समिति के आंचल नगर, स्कीम 140, पीपल्याहाना स्थित हाईटेक कार्यालय पर जारी रहेगी। इसके पश्चात 8 से 11 जुलाई तक नामांकन फॉर्म जमा किए जा सकेंगे। सोमवार 13 जुलाई को जाँच के पश्चात शाम 4 बजे वैध उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और बुधवार 15 जुलाई को शाम 4 से 7 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। गुरुवार 16 जुलाई को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और जरुरी हुआ तो कुल 21 पदों के लिए रविवार 26 जुलाई को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक राजीव गाँधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर मतदान होगा।

दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण में मप्र देश में नंबर 1

भोपाल (एजेंसी) ● भारत की प्राचीन ज्ञान-संपदा और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने में मप्र सबसे आगे हैं। भारत सरकार की डिजिटल पहल 'ज्ञान भारतम् एप' के अनुसार, दुर्लभ प्राचीन पांडुलिपियों की सूचना दर्ज करने और उनके संरक्षण के मामले में एमपी पूरे देश में प्रथम स्थान पर आया है। अब तक उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ज्ञान भारतम् ऐप के जरिए मप्र से कुल 34 लाख 45 हजार 439 पांडुलिपियों पन्नों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस दौरान 12 लाख 13 हजार 127 पांडुलिपियों का 'ज्ञान भारतम्' ने सत्यापन भी कर दिया। शेष सत्यापन की प्रक्रिया में हैं। जिनका चरणबद्ध तरीके से परीक्षण एवं प्रमाणीकरण किया जा रहा है।

भोपाल, इंदौर-रीवा से सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन

1 जुलाई तक के आकंड़ों के अनुसार, भोपाल ने सबसे अधिक 24 लाख 26 हजार 172 पांडुलिपियों का पंजीकरण किया है। इसके बाद इंदौर में 3 हजार 99 हजार 477, रीवा में 2 लाख 68 हजार 763, बैतूल में 1 लाख 593 और छिंदवाड़ा में 77 हजार 94 पांडुलिपियां दर्ज की गईं। पन्ना से 64 हजार 257, सागर से 60 हजार 25, ग्वालियर से 29 हजार 870, उज्जैन से 20 हजार 995, रायसेन से 15 हजार 539, मंदसौर से 12 हजार 412, अनूपपुर से 11 हजार 829 पंजीयन हुए। नीमच, मऊगंज, खंडवा, जबलपुर, सतना, नर्मदापुरम, गुना, उमरिया, दतिया, विदिशा, सीधी, अशोकनगर, बालाघाट, शहडोल, टीकमगढ़, मंडला, शिवपुरी, धार, भिंड, रतलाम, मुरैना, शाजापुर, बड़वानी, सीहोर, सिवनी, छतरपुर, देवास, श्योपुर, नरसिंहपुर, राजगढ़, निवाड़ी, खरगोन, मैहर, दमोह, बुरहानपुर, हरदा, कटनी, आगर-मालवा, सिंगरौली, झाबुआ, आलीराजपुर, पांढुर्णा और डिंडौरी से भी रजिस्ट्रेशन किए गए।

'ज्ञान भारतम् ऐप' और इसका उद्देश्य

'ज्ञान भारतम् ऐप' भारत सरकार की एक अनूठी डिजिटल पहल है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखना और दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशाल डिजिटल अभिलेख तैयार करना है। ये भारतीय पांडुलिपियां केवल अतीत की स्मृतियाँ नहीं हैं, बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' (विश्व एक परिवार है) की भावना से प्रेरित ज्ञान, संस्कृति और जीवन मूल्यों का जीवंत स्रोत हैं, जो संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इस डिजिटल अभियान के माध्यम से शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों के लिए इन अमूल्य ग्रंथों तक पहुंच बेहद आसान हो गई है।

ऐसे बन सकते हैं भागीदार

ज्ञान भारतम् ऐप न केवल सूचना देता है, बल्कि आम जनता को भी इस सांस्कृतिक महायज्ञ से जोड़ता है। स्मार्ट सर्च : उपयोगकर्ता शीर्षक, लेखक, भाषा, विषय और संग्रह स्थल के आधार पर किसी भी पांडुलिपि की जानकारी आसानी से खोज सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति या संस्था के पास कोई दुर्लभ पांडुलिपि उपलब्ध है, तो वे ऐप के माध्यम से उसके संरक्षण या डिजिटलीकरण के लिए सीधे अनुरोध दर्ज कर सकते हैं। आम नागरिक अपने पास मौजूद प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों की जानकारी साझा कर भारत को पुन: 'विश्व गुरु' के रूप में स्थापित करने में अपना योगदान दे सकते हैं।

कांटाफोड़ शिव मंदिर से जुड़े 89 भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन हेतु प्रस्थित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाबा बर्फानी के दर्शन करने और अमरनाथ यात्रा मार्ग पर बालटाल एवं पंचतरणी में चल रहे शहर के नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर की लंगर सेवा में मदद के लिए मंदिर से जुड़े 101 श्रद्धालु सोमवार दोपहर इंदौर दिल्ली एक्सप्रेस से प्रस्थित हुए तो समूचा रेलवे स्टेशन परिसर बाबा बर्फानी के जयघोष से गूंज उठा। विधायक गोलू शुक्ला ने रेलवे स्टेशन पर सभी श्रद्धालुओं को विदाई दी। श्रद्धालु अपने साथ 10 किलो वजनी त्रिशूल भी लेकर गए हैं, जिसकी स्थापना गुफा स्थल पर की जाएगी। यह परंपरा वर्ष 2006 से चली आ रही है। इनके अलावा इस बार जत्थे के साथ मंदिर के 6 सेवादार एवं 6 रसोइये भी गए हैं, जो वहां पहुंचकर बाबा की गुफा के अंदर फूलों का श्रृंगार भी करेंगे, लंगर में इंदौरी व्यंजन भी बनाएँगे और रात्रिकालीन संकीर्तन में भी शामिल होंगे। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, सुभाष गोयल बजरंग, टीकमचंद गर्ग एवं संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि अरमनाथ श्राईन बोर्ड द्वारा दूसरी बार मंदिर को लंगर सेवा के लिए सीधे अनुमति प्राप्त हुई है, फलस्वरूप पंचतरणी एवं बालटाल में खन्ना (पंजाब) के श्री बर्फानी सेवा दल के साथ गत 3 जुलाई से ही भव्य लंगर सेवा प्रारंभ हो गई है। शहर के व्यापारियों एवं जनभागीदारी के माध्यम से इन दोनों लंगरों के लिए बड़ी मात्रा में अनाज, खाद्य सामग्री, राशन एवं भोजन निर्माण में काम आने वाली 16 मी टन सामग्री ट्रक में भरकर भेजी जा चुकी है। यही नहीं, लंगर में मालवा क्षेत्र के करीब एक दर्जन रसोईए भी अपनी सेवाएं देकर देश-विदेश से आने वाले भक्तों को इंदौर के पोहे-जलेबी, कचोरी-समोसे, दाल-बाटी, चूरमा एवं अन्य परंपरागत व्यंजन भी परोस रहे हैं।

मोबाइल टावर पर काम करते समय कर्मचारी को लगा करंट

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● सनावद नगर में रविवार शाम एक निजी मोबाइल टावर पर काम करते समय एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। बड़वाह निवासी कर्मचारी को स्थानीय लोग सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अर्जुन सिंह पंवार (निवासी बड़वाह) के रूप में हुई है। वह एयरटेल मोबाइल टावर में कर्मचारी के तौर पर कार्यरत थे और सनावद नगर की एक कॉलोनी में रहते थे। घटना रविवार शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच हुई। टावर परिसर के पास खेल रहे बच्चों ने कर्मचारी को जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ा देखा। बच्चों ने तुरंत आसपास के रहवासियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही कॉलोनी के रहवासी मौके पर पहुंचे और कर्मचारी को तत्काल सनावद सिविल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण टावर पर काम करते समय करंट लगना बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

संतोष जैन गुरुजी को सेवानिवृति के अवसर दी भावभीनी बिदाई दी, सांसद एवं विधायक ने किया सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 31 एसएएफ इंदौर के उच्च श्रेणी शिक्षक संतोष जैन गुरुजी ने शिक्षण संस्कार, सेवा ओर समर्पण के 43 वर्ष 6 माह की शासकीय सेवा की पूर्णता के उपलक्ष में उनके परिवार द्वारा केट रोड स्थित रुद्राक्ष वाटिका पर आयोजित सम्मान समारोह में शैक्षिक संगठनो, दिगंबर जैन समाज, जैन सोशल ग्रुप, आदि संस्थाओं ने गुरुजी का शाल श्रीफल, दुपट्टा पगड़ी पहनाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विश्व हिंदू परिषद के हुकुमचंद सांवला पार्षद, राजीव जैन , मनोहर झांझरी, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लारेल अध्यक्ष परवार समाज, डॉ जैनेंद्र जैन, विनय जैन राष्ट्रीय महामंत्री जबलपुर सोशल ग्रुप फेडरेशन राकेश विनायका सहित जनप्रतिनिधि गण एव समाजसेवी द्वारा शाल श्रीफल, पगड़ी पहनाकर अभिनन्दन पत्र भेंट कर संतोष जैन गुरुजी* का सम्मान किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरुजी के सेवाकाल

की भूरी भूरी प्रशंसा की। वह बच्चो एव विद्यालय विकास के लिए किए कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शंकर लालवानी एवं विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सिर्फ एक रिटायरमेंट नहीं बल्कि उनके पूरे जीवन के परिश्रम,, संस्कारो,मूल्यों,ओर उन अनगिनत लोगों के प्रति उनके योगदान का उसव हे जिनके जीवन को उन्होंने वर्षों तक प्रेरित ओर समृद्ध बनाया। आपने अपने कार्यकाल में हजारों बच्चों को शिक्षा प्रदान की एव शिक्षण के साथ सामाजिक धार्मिक क्षेत्रों में आप हमेशा अग्रणी रहकर कार्य करते रहे।सेवानिवृत्ति पर ऐसे निष्ठावान, समर्पित शिक्षक को सम्मानित करके हम गौरवान्वित हुए।

फिलेटेलिक एवं न्यू मिसमेटिक सोसायटी की सभा में वक्ताओं ने साझा की दिलचस्प जानकारियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर फिलेटेलिक एवं इंदौर न्यू मिसमेटिक सोसाइटी की संयुक्त मासिक सभा रीगल चौराहा स्थित इंडियन कॉफ़ी हाउस पर सम्पन्न हुई जिसमें धार जिले की दंत चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुकृति दीक्षित के मुख्य आतिथ्य एवं लक्ष्मीकांत जैन की अध्यक्षता में वक्ताओं ने सिक्कों को पहचानने और नई पीढ़ी को

सिक्कों की महत्ता पर दिलचस्प जानकारियां साझा की। इस मौके पर प्रख्यात मुद्रा संग्राहक गिरीश शर्मा आदित्य एवं रवीन्द्रनारायण पहलवान ने कार्यशाला में अनेक महत्वपूर्ण तथ्य बताए। बैठक में नरेन्द्र अग्रवाल ने सभा शुभारंभ की घोषणा की। देवकीनंदन त्रिवेदी ने सबके स्वस्थ रहने की मांग कामनाएं व्यक्त की। बहादुर सिंह चौहान ने स्वागत उद्बोधन दिया। जयंत डोसी, मुकेश पाटीदार, मिलिंद देहद्राय ने सदस्यों को उपहार भेंट किए।

ईवा वुमन्स हॉस्पिटल में रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम से महिलाओं को मिलेगी अधिक सुरक्षित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महिलाओं के स्वास्थ्य, विशेषकर स्त्रीरोग एवं स्त्री कैंसर रोग (गायनेकोलॉजी एवं गायनेक ऑन्कोलॉजी) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अहमदाबाद के ईवा वुमन्स हॉस्पिटल ने विश्व की सबसे उन्नत रोबोटिक-असिस्टेड सर्जिकल तकनीकों में से एक सर्जिकल सिस्टम को स्थापित किया है। इस अत्याधुनिक तकनीक के साथ अस्पताल ने महिलाओं को अधिक सुरक्षित, अधिक सटीक और 'मिनिमली इनवेसिव' (कमसे कम चीरा लगने वाली) सर्जिकल उपचार उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। यह अत्याधुनिक सर्जिकल सिस्टम सर्जन की क्षमता और सटीकता को और अधिक प्रभावी बनाता है। हाई-

डेफिनिशन 3डी विजुअलाइजेशन और उन्नत रोबोटिक तकनीक की सहायता से जटिल स्त्री रोग संबंधी सर्जरी अधिक दक्षता और सटीकता के साथ की जा सकती है। विशेष रूप से डीप इंफिल्ट्रेटिंग एंडोमेट्रियोसिस, गायनेकोलॉजिकल कैंसर तथा अन्य जटिल पेल्विक रोगों के उपचार में यह तकनीक अत्यंत उपयोगी साबित होती है।

25 जुलाई से सभी मांगलिक कार्य पर रोक 12 साल बाद गजकेसरी योग में गुप्त नवरात्र

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास की शुरुआत हो जाएगी। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। इसी वजह से विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत और अन्य मांगलिक कार्य अगले चार माह तक नहीं किए जाएंगे। पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा, यानी 15 जुलाई से गुप्त नवरात्र का आरंभ होगा। इस बार गुप्त नवरात्र 9 दिन तक रहेगी। खास बात यह है कि इसका शुभारंभ 12 साल बाद गजकेसरी योग और बुध पुष्य योग के दुर्लभ संयोग में हो रहा है। 15 जुलाई को बुधवार, पुष्य नक्षत्र और कर्क राशि में चंद्रमा की स्थिति रहेगी। चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बनेगा। सामान्यत: गुरु का एक ही राशि में आगमन 12 वर्ष में होता है, इसलिए यह संयोग बेहद विशेष माना जा रहा है। गुप्त नवरात्र के दौरान भड़ली नवमी का मुहूर्त रहेगा, लेकिन 16 जुलाई को गुरु तारा अस्त हो जाएगा। इस कारण इस अवधि में विवाह के मुहूर्त मान्य नहीं रहेंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

क्या घटेंगे पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम?

'ओपेक प्लस' के सदस्य देशों की ओर से अगस्त में तेल उत्पादन में बढ़ोतरी करने से वैश्विक बाजार की स्थिति काफी हद तक पहले जैसी सामान्य हो जाएगी, लेकिन क्या इसी मुताबिक सरकार तेल की बढ़ी कीमतों में कमी करेगी? पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज जलमार्ग के बहाल होने से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट का असर अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। इससे भारत में भी स्थिति में सुधार और मुश्किलों से थोड़ी राहत की उम्मीद जगी है। सरकार ने एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंध वापस ले लिए हैं। इससे पहले वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में कटौती की गई थी। इसी बीच, तेल उत्पादक देशों के संगठन 'ओपेक प्लस' के कुछ सदस्यों ने अगस्त में अपने तेल उत्पादन में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इस कदम से वैश्विक बाजार में अतिरिक्त कच्चा तेल उपलब्ध होगा, जिससे निश्चित रूप से इसके दामों पर दबाव और कम होगा। मगर सवाल है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की आपूर्ति सामान्य होने का लाभ क्या देश के उपभोक्ताओं को तर्कसंगत अनुपात में मिल पाएगा? सरकार ने देश में ऊर्जा संकट गहराने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलएनजी की आपूर्ति को लेकर बीते नौ मार्च को आपात व्यवस्था लागू की थी। उस समय अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और उसके जवाब में ईरानी कार्रवाई के बाद होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिए जाने से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई थी। सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया में युद्धविराम लागू है और शांति वार्ता जारी है, ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए आपात प्रतिबंधों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं है। दरअसल, देश में उर्जा संकट की आहट के बाद से सरकार की ओर से यह दावा किया जाता रहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक उपाय लागू किए जाएंगे, लेकिन जब संकट से सामना करने की बारी आई तो ये विकल्प मुख्य तौर पर तेल एवं गैस की आपूर्ति को सीमित करने और इनकी कीमतें बढ़ाने के रूप में सामने आए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऊर्जा आपूर्ति के नए स्रोत तलाशने के बजाय संकट का भार सीधे आम आदमी पर डाल देने को ही क्या सरकार का कुशल प्रबंधन माना जाएगा? इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य तय किए जा रहे हैं, दूसरी ओर देश की कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 फीसद और प्राकृतिक गैस की लगभग आधी आवश्यकता आज भी आयात के जरिए पूरी की जाती है।

गर्म होती पृथ्वी, ठंडी पड़ती समझ

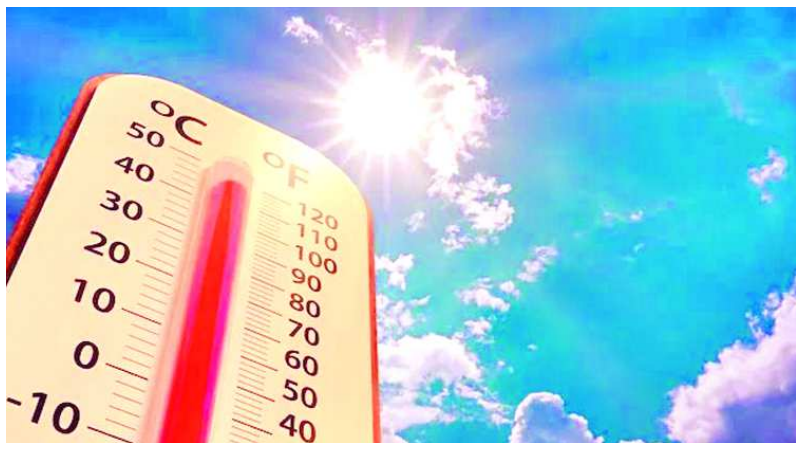

भारतीय सभ्यता सदियों तक ऋतुओं पर उतना ही भरोसा करती रही, जितना सूर्योदय पर। खेती, नदियाँ, पर्व-त्योहार और जीवन मौसम की नियमित लय पर आधारित थे। किंतु अब प्रकृति चेतावनी दे रही है। अप्रैल-मई 2026 में कई शहरों का तापमान 46-48°C तक पहुँचा, हीट-स्ट्रोक से जानें गईं और बिजली की मांग लगभग 270 गीगावाट तक पहुँची। जुलाई के आरंभ में मुंबई, पालघर और ठाणे में 200-300 मिमी तथा कुछ स्थानों पर 600-800 मिमी से अधिक वर्षा ने जनजीवन और ढांचे को ठप कर दिया। हिमालय में भूस्खलन, मैदानी क्षेत्रों में बाढ़, तटीय इलाकों में चक्रवात और सूखा बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य नहीं, वर्तमान है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ), अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की नवीनतम रिपोर्टें भी इसी निष्कर्ष की पुष्टि करती हैं।

भारत की भौगोलिक विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी संवेदनशीलता भी। उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिंद महासागर, विस्तृत तटीय क्षेत्र, विशाल मैदान और शुष्क भूभाग के कारण मौसम का मामूली असंतुलन भी करोड़ों लोगों को प्रभावित करता है। वर्ष 2026 में प्री-मानसून हीटवेव ने दिन-रात दोनों की गर्मी के रिकॉर्ड तोड़े, जबकि असमान मानसून ने कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ ला दी। वैज्ञानिक इसे चरम मौसमी घटनाओं (एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स) की बढ़ती आवृत्ति मानते हैं। कंक्रीट का अनियंत्रित विस्तार, नदी तटों पर अतिक्रमण, आर्द्रभूमियों का विनाश और अवैज्ञानिक शहरी नियोजन ने प्राकृतिक आपदाओं को मानवीय त्रासदी बना दिया है। आज अधिकांश आपदाएं प्रकृति से अधिक हमारी विकास नीतियों का परिणाम हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार हीटवेव की अवधि और तीव्रता बढ़ रही है, जिससे पारिस्थितिक संतुलन डगमगाने लगा है।

जलवायु असंतुलन का सबसे गहरा प्रभाव कृषि पर पड़ रहा है, क्योंकि भारत की बड़ी आबादी आज भी मानसून पर निर्भर है। अनिश्चित वर्षा, बढ़ता तापमान, घटती मिट्टी की नमी और प्राकृतिक आपदाएं पारंपरिक खेती को कमजोर कर रही हैं। वर्ष 2015-2021 के बीच अतिवृष्टि से 33.9 मिलियन हेक्टेयर और सूखे से लगभग 35 मिलियन हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। वर्ष 2026 में एल-नीनो और मानसून की देरी ने खरीफ उत्पादन की चिंता बढ़ा दी। फसल चक्र बिगड़ रहे हैं, पारंपरिक बीज कम प्रभावी हो रहे हैं और सिंचाई लागत बढ़ रही है। इसका असर किसानों की आय से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो कृषि संकट आर्थिक ही नहीं, सामाजिक अस्थिरता का कारण बनेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय मुद्दा मानना उसकी गंभीरता को कम करके आंकना होगा। जलवायु परिवर्तन का गंभीर प्रभाव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। तीव्र गर्मी हीट-स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय रोग बढ़ा रही है, जबकि बाढ़ के बाद मलेरिया, डेंगू और जलजनित बीमारियां फैल रही हैं। बढ़ता तापमान और वायु प्रदूषण श्वसन रोगों को और गंभीर बना रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग, निर्माण श्रमिक, खेतिहर मजदूर और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) चेतावनी दे चुका है कि आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में होगा। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी में बिजली की रिकॉर्ड मांग और बिजली संकट ने इस चुनौती को और गहरा किया। भारत जैसे देश में यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का भी प्रश्न है। आर्थिक दृष्टि से भी जलवायु परिवर्तन विकास की गति पर सीधा प्रहार कर रहा है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूस्खलन हर वर्ष अरबों रुपये की सार्वजनिक-निजी संपत्ति नष्ट कर रहे हैं। सड़कें, पुल, रेलमार्ग, बिजली व्यवस्था और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बार-बार बाधित हो रही हैं। राहत और पुनर्वास पर सरकारी व्यय बढ़ रहा है, जबकि उत्पादन और श्रम क्षमता घट रही है। विश्व बैंक और आईएमएफ भी इसे केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा मानते हैं। 2021 में हीट-स्ट्रेस से लगभग 159 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति का अनुमान था, जबकि 2024-26 के अनुमानों में यह लगभग 194 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। घटती उत्पादकता, श्रम घंटों की हानि और बढ़ते बीमा दावे बताते हैं कि यदि जलवायु संकट पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया गया, तो विकास की पारंपरिक अवधारणा भी बदलनी पड़ेगी।

इन चुनौतियों के बीच यह भी सच है कि भारत ने भविष्य की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य, सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार, हरित हाइड्रोजन मिशन, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, जैव ईंधन को बढ़ावा और वृक्षारोपण अभियान इसी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण भी उल्लेखनीय है। फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं होंगी। वैज्ञानिक शहरी नियोजन, प्रभावी जल निकासी, जल और वन संरक्षण, आर्द्रभूमियों की सुरक्षा तथा स्थानीय स्तर पर जलवायु-अनुकूल विकास मॉडल को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना ही इस संकट का स्थायी समाधान है। असल प्रश्न यह नहीं है कि भारत जलवायु आपातकाल घोषित करेगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम प्रकृति की लगातार चेतावनियों को समय रहते समझ पाएंगे। विकास और पर्यावरण को विरोधी मानने की सोच अब स्वयं विकास के लिए बाधा बन चुकी है। यदि नीति-निर्माण वैज्ञानिक शोध, विश्वसनीय आंकड़ों और स्थानीय अनुभव पर आधारित हो, तो यही संकट नवाचार और सतत विकास का अवसर बन सकता है। अन्यथा चरम मौसम की घटनाएं हर वर्ष नई सुर्खियां बनेंगी और उनके पीछे छिपा आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संकट स्थायी होता जाएगा। बदलते मौसम का सच स्पष्ट है—जलवायु परिवर्तन पर निर्णायक, वैज्ञानिक और सामूहिक कार्रवाई अब केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि भारत के सुरक्षित और सतत भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

पर्याप्त संसाधनों के बाद भी बाढ़ (अतिवृष्टि) और सूखे (अनावृष्टि) स्थिति हर वर्ष क्यों

भारत भौगोलिक तौर पर बड़ा विशाल का देश है। जहां एक ओर हमारे पास विश्वस्तरीय वैज्ञानिक संस्थान, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली, उपग्रह तकनीक, विशाल प्रशासनिक तंत्र और आपदा प्रबंधन के लिए अलग मंत्रालय है, तो दूसरी ओर हर वर्ष भीषण गर्मी, सूखा, अतिवृष्टि और बाढ़ लाखों लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर देते हैं। जब संसाधनों की कमी नहीं है, तब तैयारी में कमी और इतनी जानमाल का नुकसान क्यों क्यों दिखाई देता है? यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तर भारत के अनेक हिस्से भीषण लू और सूखे से जूझते हैं, वहीं असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल तथा महानगरों में कुछ घंटों की बारिश भी बाढ़ का रूप ले लेती है। हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने सड़कें, पुल और गांवों को भारी नुकसान पहुँचाया। इसी समय देश के कई भागों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप भी देखने को मिला। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हमारी विकास नीति, प्रशासनिक तैयारी और दीर्घकालिक योजना की परीक्षा भी है जब मौसम विभाग कई दिन पहले भारी वर्षा, लू और चक्रवात की चेतावनी जारी करता रहता है, तब स्थानीय प्रशासन समय रहते पर्याप्त तैयारी में क्यों नहीं जुट पाता है? अक्सर राहत कार्य आपदा आने के बाद शुरू होते हैं। यदि पहले से जल निकासी की व्यवस्था, सुरक्षित आश्रय, पेयजल, चिकित्सा दल और आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा दी जाए, तो जन-धन की हानि काफी कम की जा सकती है। दूसरी बड़ी समस्या हमारी अनियोजित शहरीकरण की है। शहरों के तालाब, नाले और जलग्रहण क्षेत्र पाटकर भवन खड़े कर दिए गए। नदियों के प्राकृतिक मार्ग पर अतिक्रमण हुआ परिणामस्वरूप कुछ घंटों की तेज बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। दूसरी ओर वर्षा का वही पानी भूजल में नहीं समा पाता और कुछ ही महीनों बाद वही क्षेत्र जल संकट से जूझने लगता है। विडंबना यह है कि जिस पानी को बाढ़ के समय हम अभिशाप मानते हैं, उसी पानी की एक-एक बूंद के लिए गर्मियों में तरसते हैं। यदि बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन, छोटे बाँध, तालाबों का पुनर्जीवन, चेक डैम और जल संरक्षण के कार्य निरंतर किए जाएँ तो बाढ़ का पानी भी भविष्य का अमृत बन सकता है। जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अब वर्षा कम दिनों में अधिक तीव्रता से होती है और गर्मी की अवधि अधिक लंबी तथा अधिक प्रचंड होती जा रही है। यही कारण है कि कभी तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है तो कहीं कुछ ही घंटों में महीनों जितनी वर्षा हो जाती है।- **संजीव ठाकुर,** वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़

आंचलिक

स्टेट हाईवे-35 हादसों का नया हॉटस्पॉट, एक महीने में 15 हादसे

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले का स्टेट हाईवे-35 (सरदारपुर-बदनावर) हादसों का हॉटस्पॉट बन गया है। गुजरात से राजस्थान को जोड़ने वाले इस 45 किलोमीटर लंबे मार्ग पर पिछले एक वर्ष में भारी वाहनों का दबाव तेजी से बढ़ा है, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। जोलाना में हर शुक्रवार सड़क किनारे लगने वाला हाट बाजार दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। बाजार के दौरान सड़क पर भीड़ और वाहनों का दबाव एक साथ होने से हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा, लाबरिया चौपाटी और राजोद में सड़क किनारे की दुकानों और अतिक्रमण के कारण दिनभर जाम लगता है। भारी वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क संकरी हो जाती है, जिससे छोटे वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। तेज रफ्तार भी इन हादसों की एक बड़ी वजह है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले एक महीने में इस हाईवे पर 12 से 15 सड़क

हादसे हुए हैं। इन दुर्घटनाओं में दो से तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि 10 से 15 लोग घायल हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से इन हादसों पर अंकुश लगाने की मांग की। उनकी मांगों में सड़क किनारे लगने वाले बाजारों की उचित व्यवस्था करना, अतिक्रमण हटाना, भारी वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण लगाना और नियमित ट्रैफिक निगरानी बढ़ाना शामिल है।

मुख्यालय को जोड़ने वाली मनावर-मांगोद सड़क तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिला मुख्यालय को मनावर-मांगोद से जोड़ने वाला 50 किलोमीटर लंबा मार्ग बनकर तैयार हो गया है। लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सड़क का कार्य एमपीआरडीसी की निगरानी में गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया है। इससे मनावर, गंधवानी और सरदारपुर विधानसभा क्षेत्रों के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। एमपीआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप चौहान ने बताया कि सड़क निर्माण के बाद अब इसके बीचों-बीच सफेद सेंटर लाइन (रोड मार्किंग) बनाई जा रही है।

यह सफेद पट्टी विशेष रूप से बारिश और रात के समय वाहन चालकों के लिए काफी मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि कम विजिबिलिटी की स्थिति में भी सड़क की दिशा स्पष्ट दिखाई देने से हादसों की संभावना कम होगी और सफर सुरक्षित व आसान बनेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क से संबंधित सभी कार्य जैसे

सूचना पटल, रेडियम और साइन बोर्ड जल्द ही पूरे किए जाएंगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से इस मार्ग के बेहतर निर्माण की मांग की जा रही थी। सड़क बनने से यात्रा का समय कम हुआ है और वाहन चालकों को पहले की तुलना में अधिक सुविधा मिल रही है। सड़क की गुणवत्ता भी बेहतर दिखाई दे रही है, जिससे यह मार्ग क्षेत्र के विकास और आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगा।

स्पीड ब्रेकर पर रेडियम लगाने की मांग

मुख्यालय को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है, जिस पर प्रतिदिन कई प्रशासनिक अधिकारियों सहित हजारों वाहनों का आवागमन होता है। मार्ग पर दो बड़े सीमेंट उद्योग होने के कारण 40 टन से अधिक माल लेकर सीमेंट के ट्रेलर भी दिन-रात चलते हैं। स्थानीय नागरिकों ने एमपीआरडीसी विभाग और निर्माण कंपनी से स्पीड ब्रेकर पर भी रेडियम कलर करने की मांग की है।

कुआं गहरीकरण में 1.30 लाख की गड़बड़ी का आरोप, देवली पंचायत में शिकायत के बाद जांच शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● देवली ग्राम पंचायत में कुआं गहरीकरण कार्य में वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सरपंच रोहित निहाल और पंचायत सचिव पुष्पेंद्र मंडलोई पर करीब 1.30 लाख रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए जनपद और जिला पंचायत सीईओ से शिकायत की है। ग्रामीणों का दावा है कि पंचायत दर्पण पोर्टल पर कार्य की लागत वास्तविक खर्च से दोगुनी दर्शाई गई है। ग्रामीणों के अनुसार, कुएं के 10 फीट गहरीकरण और 300 फीट आड़े होल (बोर) के लिए लगभग 1.29 लाख रुपए का खर्च होना चाहिए था। इसमें 90 हजार रुपए गहरीकरण और 39 हजार रुपए आड़े होल के लिए निर्धारित हैं। इसके बावजूद पंचायत दर्पण पोर्टल पर इस कार्य पर 2.60 लाख रुपए खर्च होना दर्शाया गया है, जिससे करीब 1.30 लाख रुपए की अनियमितता की आशंका जताई गई है। शिकायतकर्ता कैलाश चौहान, अशोक गेहलोत, दशरथ राठौड़, राहुल कमलेश सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि जलसंकट दूर करने के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जंगल बचाने के लिए कोरकू समाज का महाआंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा और बुरहानपुर जिले के कोरकू समाज ने 13 जुलाई को खंडवा में महाआंदोलन करने का आह्वान किया है। आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर प्रचार के साथ ही गांव-गांव में बैठकें ली जा रही हैं। उनके द्वारा जंगल क्षेत्र में बाहरी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वन विभाग की कार्रवाई के समर्थन में बड़ी संख्या में समाजजन जुटेंगे। आंदोलन 13 जुलाई (सोमवार) को सुबह 10 बजे खंडवा में शुरू होगा और आंदोलन समाप्त होने तक जारी रहेगा। इसे कोरकू समाज, खंडवा-बुरहानपुर की ओर से आयोजित होना बताया गया है।

आंदोलन को सफल बनाने के लिए कोरकू समाज संगठन ने खंडवा और बुरहानपुर जिले के गांव-गांव में बैठकें शुरू कर दी हैं। समाज के पदाधिकारियों के अनुसार, बुरहानपुर जिले से भी बड़ी संख्या में समाजजन आंदोलन में शामिल होने के लिए खंडवा पहुंचेंगे। संगठन का दावा है कि करीब दो हजार समाजजन खंडवा कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्र होकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। कोरकू समाज वर्षों से जंगलों की रक्षा करता आया है और जल, जंगल एवं जमीन को अपनी संस्कृति और जीवन का आधार मानता है।

समाज का आरोप है कि बाहरी अतिक्रमणकारी जंगलों पर कब्जा कर रहे हैं, जिससे वन संपदा, पर्यावरण और आदिवासी समाज के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर समाज के लोगों को धमकियां दी जाती हैं, झूठे मामलों में फंसाया जाता है और जंगलों की अवैध कटाई की जा रही है। समाज ने हाल ही में हुई वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सही और आवश्यक बताया गया है। इसमें कहा गया है कि वन संरक्षण से ही जल, जंगल और भविष्य सुरक्षित रहेगा तथा समाज वन विभाग की वैधानिक कार्रवाई में पूरा सहयोग करेगा।

स्कूल में छात्रों से बेल्ट से मारपीट का आरोप, हॉस्टल से बाहर जाने 6 छात्रों का पीटा, प्रबंधन ने आरोपों से किया इनकार

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, गरड़ावद-लबरादा में 12वीं कक्षा के छह छात्रों के साथ मारपीट का आरोप सामने आया है। छात्रों का आरोप है कि देर रात हॉस्टल से लौटने के बाद उनके ही सीनियर छात्रों ने बेल्ट से उनकी पिटाई की। वहीं, विद्यालय प्रबंधन ने मारपीट के आरोपों से इनकार करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित छात्र विशाल डावर ने आरोप लगाया कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे वह अपने पांच साथियों के साथ हॉस्टल से बाहर खाना खाने गए थे। सभी छात्र रात करीब 2 बजे छात्रावास लौटे। उनका आरोप है कि रविवार सुबह 12वीं कक्षा के कुछ सीनियर छात्रों ने छह छात्रों के साथ बेल्ट से

मारपीट की। छात्रों का कहना है कि पिटाई से उनकी पीठ पर चोट के निशान पड़ गए। विद्यालय के प्रबंधक अमित सोनी ने बताया कि मारपीट की शिकायत मिली है और इसकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित छह छात्र देर रात खिड़की की जाली काटकर और दीवार फांदकर छात्रावास से बाहर गए थे। यह विद्यालय के नियमों का गंभीर उल्लंघन है।

उन्होंने बताया कि बाहर जाने वाले सभी छह छात्रों को टीसी देकर विद्यालय से रवाना कर दिया गया है। वहीं, जिन छात्रों पर मारपीट के आरोप हैं, उन्हें भी विद्यालय से निष्कासित कर दिया गया है। हॉस्टल अधीक्षक संजीत राठी ने मारपीट के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि किसी भी छात्र के साथ मारपीट नहीं हुई है और छात्र झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र खिड़की की जाली काटकर और दीवार फांदकर बाहर गए थे, जबकि छात्रावास में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं।

विद्यालय के प्रबंधक अमित सोनी ने माना कि छात्रों का इस तरह छात्रावास से बाहर निकल जाना सुरक्षा व्यवस्था में चूक को दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि विद्यालय और छात्रावास में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं और पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाती है। मारपीट के आरोप, छात्रों पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के बीच पूरे मामले की जांच जारी है।

आज इंग्लैंड के खिलाफ साख बचाने उतरेगी टीम इंडिया

नॉटिघम (एजेंसी) ● मंगलवार को ट्रेंट ब्रिज में होने वाले तीसरे टी-20 में भारत के सामने इंग्लैंड के खिलाफ 'करो या मरो' की चुनौती है। मेहमान टीम पांच मैचों की सीरीज में बराबरी करने की कोशिश करेगी, क्योंकि मेजबान टीम ने मैनचेस्टर में शानदार तरीके से लक्ष्य का पीछा करते हुए 1-0 की बढ़त बना ली है। चेस्टर-ली-स्ट्रीट में पहला मैच बारिश की भेंट चढऩे के बाद, दूसरे टी 20 में इंग्लैंड ने 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट शेष रहते जीत हासिल की और सीरीज पर मजबूत पकड़ बना ली। इस हार ने एक अच्छा स्कोर बचाने में भारत की अक्षमता को उजागर किया और श्रेयस अय्यर की युवा टीम पर दबाव बढ़ा दिया। पिछले मैच में जैकब बैथेल की 46 गेंदों में तूफानी 76 रन की पारी और हैरी ब्रूक की सिर्फ 15 गेंदों में विस्फोटक 39 रन की पारी से इंग्लैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। सैम करन (3/33) ने अनुशासित गेंदबाजी की, जबकि जोफ्रा आर्चर की तेज गेंदबाजी और आदिल

राशिद की चतुराई इंग्लैंड को घरेलू परिस्थितियों में एक मजबूत टीम बनाती है। भारत के लिए ड्क्षचता का विषय बल्लेबाजी नहीं, बल्कि गेंदबाजी है। मेहमान टीम ने मैनचेस्टर में 190/7 का मजबूत स्कोर बनाया, जिसमें अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 43 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, ईशान किशन ने 49 रन बनाकर पारी को संभाला और कप्तान अय्यर ने 37 रन का योगदान दिया। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने भी अपने डेब्यू मैच में दो शानदार छक्के लगाकर अपनी जबरदस्त क्षमता की झलक दिखाई। मजबूत बल्लेबाजी के बावजूद, भारतीय गेंदबाज शुरुआती सफलता का फायदा उठाने में नाकाम रहे। अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने किफायती गेंदबाजी से प्रभावित किया, लेकिन गेंदबाजी में निरंतरता की कमी रही और इंग्लैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। मंगलवार का मुकाबला सीरीज की दिशा तय कर सकता है। इंग्लैंड की जीत उन्हें 2-0 की मजबूत बढ़त दिला देगी और केवल दो मैच बाकी रहने के कारण भारत मुश्किल स्थिति में आ जाएगा। हालांकि, मेहमान टीम की जीत से बराबरी हो जाएगी और मुकाबले में नई जान आ जाएगी।

फैन्स की इच्छा बढ़ती जा रही है! नेटफ्लिक्स उसे पूरा करता जा रहा है! लॉक अप: सच या सज़ा अब छठवें दिन भी स्ट्रीम होगा

मुंबई (एजेंसी) ● फैसला हो चुका है। फैन अपनी बात रख चुके हैं! सोशल मीडिया पर हलचल मचाने तथा जबरदस्त ड्रामा, चौंकाने वाले ट्विस्ट और बेबाक सच्चाईयों के साथ दर्शकों को बांधे रखने के बाद अब से लॉक अप: सच या सज़ा एक और दिन प्रसारित होने वाला है। इस हफ्ते से यह कैप्टिव रियलिटी शो शनिवार से गुरुवार, रात 8 बजे प्रसारित होगा। यानी दर्शक हर हफ्ते एक और दिन लॉक अप देख पाएंगे। फैन्स के अपार स्नेह और जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ यह शो टीवी प्रेमियों का पसंदीदा शो बन गया है। इसके हर एपिसोड में नई बातें और यादगार लम्हे देखने को मिलते हैं। और अब, जब यह शो देखने के लिए दर्शकों का उतावलापन बढ़ता जा रहा है, तो ड्रामा को और अधिक दिलचस्प बनाने के लिए यह हर गुरुवार को भी प्रसारित किया जाएगा। इस खबर से उत्साहित रितेश देशमुख ने कहा, ''दर्शकों ने लॉक अप: सच या सज़ा को सबसे अधिक चर्चित रियलिटी शो में से एक बना दिया है। उनके इस प्यार के लिए हम उनके

आभारी हैं। अब वो हफ्ते में एक दिन और यह शो देख सकेंगे, मतलब, अब होगा ज़्यादा ड्रामा, ज़्यादा सरप्राईज और ज़्यादा सच के साथ ज़्यादा सज़ा। यहाँ से इनमेट्स का सफर और ज़्यादा मुश्किल होने वाला है।'' फराह खान ने बताया, ''यकीन नहीं हो रहा कि लॉक अप: सच या सज़ा को दर्शकों ने इतना अधिक प्यार दिया है। इनमेट्स के खुलासों और उनके फैसलों ने मुझे और रितेश को हैरान कर दिया। मैं समझ सकती हूँ कि दर्शक इसे और ज़्यादा देखना क्यों चाहते हैं। आपने सुना होगा कि ''कहतें हैं अगर किसी चीज को दिल से चाहो... तो पूरी कायनात...'' लेकिन हमें कायनात का इंतजार नहीं करना पड़ा। नेटफ्लिक्स ने हमारी बात सुन ली। अब लॉक अप हफ्ते में 6 दिन, शनिवार से गुरुवार स्ट्रीम होगा।'' देखिए लॉक अप: सच या सज़ा, हर शनिवार से गुरुवार रात 8:00 बजे, केवल नेटफ्लिक्स पर!

भारत ने भूटान में जीती दक्षिण एशियाई बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत ने 2-3 जुलाई 2026 को भूटान की राजधानी थिम्पू में आयोजित 16वीं साउथ एशियन बॉडीबिल्डिंग एंड फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इंदौर (मध्य प्रदेश) के रोहित जेठवा को टेक्निकल असिस्टेंट के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो भारतीय बॉडीबिल्डिंग के लिए गर्व की बात है। भारतीय सेना के प्रतिभाशाली बॉडीबिल्डर राहुल सिंह चौहान ने सात देशों के चैंपियन खिलाड़ियों को पीछे छोड़कर 'मिस्टर साउथ एशिया 2026' का खिताब जीता। उन्हें 5000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई, अध्यक्ष दातुक पॉल चुआ, निदेशक

क्रिस्टीना केम तथा महासचिव चेतन पाथरे ने ट्रॉफी एवं सम्मान प्रदान किया। रोहित ने सफल आयोजन के बाद अतिन तिवारी, शैलेन्द्र व्यास, जितेंद्र कुशवाह तथा बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

ब्राजील के विश्वकप से बाहर होने से निराश नेमार ने संन्यास लिया

न्यूजर्सी (एजेंसी) ●ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 फुटबॉलर टूर्नामेंट से बाहर होने से निराश स्टार स्ट्राइकर नेमार ने खेल को ही अलविदा कह दिया है। पांच बार की विजेता ब्राजील इस बार उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी और उसे नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के निर्णायक मुकाबले में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे ब्राजील का छठी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। इस अप्रत्याशित हार के साथ ही नेमार का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर भी अचानक ही समाप्त हो गया। इस स्टार खिलाड़ी के संन्यास से जहां फुटबॉल जगत हैरान हैं वहीं नेमार के प्रशंसक भी हताश नजर आये। हार के बाद नेमार काफी भावुक नजर आए, जिस स्टेडियम से उन्होंने ब्राजील के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब वहीं से अपने करियर को अलविदा कह दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैंने प्रयास किया पर अब अवसर नहीं है। मैंने यहीं से शुरुआत की थी और यहीं इसे खत्म कर दिया। उनका ये बयान गहरी निराशा और ब्राजील के लिए विश्व कप जीतने के अधूरे सपने को दिखाता है। वह पिछले कुछ समय से लगातार चोटों से जूझ रहे थे जो उनके संन्यास का एक बड़ा कारण बना है। नेमार का अंतरराष्ट्रीय सफर साल 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ ब्राजील की ओर से डेब्यू के साथ शुरू हुआ था।

मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर को याद किया रिद्धि डोगरा ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। अभिनेत्री को अपनी प्रतिभा के दम पर शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका भी पाया। रिद्धि ने अपने संघर्ष के दिनों और उन मुश्किलों को भूलाया नहीं है, जिन्होंने उन्हें आकार दिया। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अभिनेत्री ने भीड़-भाड़ वाली मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने अपने पोस्ट में लिखा, मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था।

उज्जैन संभाग

फ्रीगंज के सरकारी पोर्च को लीज पर देने की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●नगर निगम शहर में अपनी आय बढ़ाने के लिए व्यावसायिक संपत्तियों के बेहतर उपयोग पर फोकस कर रहा है। फ्रीगंज क्षेत्र स्थित शासकीय जमीन पर बने पोर्च को लीज पर देने की योजना तैयार की गई है। इस प्रस्ताव को शासन को भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार शासन स्तर से इस प्रस्ताव पर कुछ आपत्तियां और अतिरिक्त जानकारी मांगी थी, जिसका जवाब नगर निगम द्वारा भेज दिया है। अब स्वीकृति के बाद आगे प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जानकारी के मुताबिक जिस स्थान पर पोर्च है, वहां पहले अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की थी। राजस्व विभाग प्रभारी रजत मेहता ने बताया स्वीकृति के बाद नियम तय किए जाएंगे, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद या तकनीकी अड़चन उत्पन्न न हो।

बैजनाथ मंदिर जीर्णोद्धार, 9 महीने बाद भी काम शुरू नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● लगभग एक हजार वर्ष पुराने श्री बैजनाथ महादेव मंदिर के संरक्षण का कार्य नौ महीने बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। पुरातत्व विभाग ने मंदिर का विस्तृत सर्वे कराया था और रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है, लेकिन अब तक जीर्णोद्धार या पत्थरों के केमिकल ट्रीटमेंट का काम शुरू नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप मंदिर के पत्थरों का क्षरण लगातार बढ़ रहा है। नौ महीने पहले पुरातत्व विभाग के डिप्टी डायरेक्टर के निर्देश पर अहमदाबाद के आर्किटेक्ट आशीष त्र्यंबड़िया के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने मंदिर का हाईटेक सर्वे किया था। इस टीम ने मंदिर के लेवलिंग, गर्भगृह, मंडप, शिखर, नक्काशी, शिलालेख और पत्थरों की स्थिति का वैज्ञानिक परीक्षण किया था।

सर्वे के दौरान मंदिर की ऊपरी सतह पर एक शिलालेख भी मिला था, जिसकी लिपि स्पष्ट नहीं होने के कारण विस्तृत अध्ययन की बात कही गई थी। सर्वे के बाद तकनीकी रिपोर्ट पुरातत्व विभाग को सौंप दी गई थी, जिसके आधार पर जीर्णोद्धार की कार्ययोजना और लागत तय की जानी थी। काम शुरू न होने से मंदिर के पत्थरों पर कालापन बढ़ता जा रहा है। लगातार नमी और बारिश के कारण

पत्थरों का क्षरण हो रहा है। इसके साथ ही मुख्य दीवारों में पहले से मौजूद दरारें भी चौड़ी होती दिख रही हैं। समय पर वैज्ञानिक संरक्षण और केमिकल ट्रीटमेंट न होने से मंदिर की प्राचीन नक्काशी और ऐतिहासिक शिल्प को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है।

लगभग 78 फीट ऊंचा यह बैजनाथ महादेव मंदिर पूरी तरह पत्थरों से निर्मित है। यह अपनी बारीक नक्काशी और अनूठी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। वर्ष 1984 से यह भारतीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है। महाशिवरात्रि और सावन के दौरान यहां हजारों श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। इस संबंध में तहसीलदार सुरेश नागर ने बताया कि बैजनाथ महादेव मंदिर एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि इसकी वर्तमान स्थिति और संरक्षण की आवश्यकता से अनुविभागीय अधिकारी को अवगत कराया जाएगा और संबंधित विभाग से चर्चा की जाएगी। केमिकल ट्रीटमेंट और जीर्णोद्धार को लेकर भी बात की जाएगी।

ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई निर्माण के लिए तीन ठेकेदारों ने दिखाई रुचि

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●चौबीस खंभा मंदिर से छोटा रुद्रसागर तक और गौतम मार्ग से तिलकेश्वर मार्ग तक चौड़ीकरण कार्य के लिए दो-दो टेंडर आए हैं। इनके अलावा पंवासा में ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई निर्माण के लिए भी तीन ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है। सिंहस्थ की तैयारियों के क्रम में शहर में कई मार्गों के चौड़ीकरण हो रहे हैं। कुछ नए मार्गों के विस्तार भी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम ने इन प्रोजेक्ट के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। सिंहस्थ सेल के पवन सिंह ने बताया कि तीनों प्रोजेक्ट के लिए ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है। परीक्षण चल रहा है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही मौके पर काम होता दिखाई देगा। पेशवाई और स्नान के वक्त भीड़ प्रबंधन में काम आएंगे उक्त दोनों मार्ग सिंहस्थ में पेशवाई व स्नान के वक्त भीड़ प्रबंधन में बहुत काम आएंगे। चूंकि एक मार्ग श्री महाकालेश्वर मंदिर क्षेत्र है तो दूसरा अंकपात क्षेत्र से जुड़ा है। ऐसे में ये दोनों ही मार्ग विशेष व भीड़ वाले दिनों में परिस्थिति अनुसार मुख्य व वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग किए जा सकेंगे। लिहाजा इनका विस्तार जरूरी है। इनमें से चौबीस खंभा से छोटा रुद्रसागर तक का मार्ग तो बेहद ही संकरा है। निगम ने गौंड बस्ती आवासीय इकाई के अधिग्रहण के लिए निवासरत परिवारों को विस्थापित की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। इन परिवारों के विस्थापन के लिए पंवासा की भूमि पर ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई के निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। इसके लिए तीन ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है। निगम के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 3 करोड़ 80 लाख 21 हजार 371 रुपए है। जबकि प्रोजेक्ट को पूरा करने की डेडलाइन 548 दिन यानी एक साल 183 दिन रखी है।

कोली समाज ने निकाली शोभायात्रा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●कोली कोठार समाज पंचायत के तत्वावधान में कबीर प्राकट्य दिवस पर शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और कबीर साहब के आदर्शों व संदेशों का प्रचार-प्रसार किया। कार्यक्रम के समापन पर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समाज के पदाधिकारी शैलेंद्र भाटिया के अनुसार शोभायात्रा क्षीरसागर स्थित गांधी बालोद्यान से शुरू होकर कुशलपुरा, बहादुरगंज, मालीपुरा, दौलतगंज, नई सड़क और आर्य समाज मार्ग सेहोते हुए डॉ. राजेंद्र जैन सभागृह पहुंची। मार्ग में बहादुरगंज अखाड़ा के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया। सभागृह में कोली समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष बाबूलाल पंवार की स्मृति में उनके परिजनों की ओर से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिक्षा, खेल और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट

कर प्रोत्साहित किया गया। समारोह के अतिथि पूर्व सांसद और अभा कोली समाज के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण पंवार थे। अध्यक्षता अजाक्स के पूर्व जिलाध्यक्ष अनोखीलाल भारती ने की। विशेष अतिथि कोली कोरी समाज उत्थान संघ के अध्यक्ष राजेश शाक्य, प्रकाश पंथी, किशोरीलाल सूर्यवंशी, हेमंत पंवार, डॉ. सुशील पंवार, एसडीओ वीरसिंह शाक्य, हरिनारायण चौहान, मांगीलाल चौहान थे। स्वागत देवकरण कोठार, अनिल पंवार, महेश सोलंकी ने किया। आभार अनिल पंवार ने व्यक्त किया।

90 लाख से तैयार लैब में 35 हाईटेक मशीनें, छात्र अपने आइडिया को प्रोडक्ट में बदल सकेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रदेश की पहली आइडिया लैब तैयार हो गई है। 90 लाख रुपए की लागत से बनी इस लैब में विद्यार्थी अपने आइडिया को प्रोटोटाइप (प्रोडक्ट) का रूप दे सकेंगे। इस लैब में 35 अत्याधुनिक मशीनें और 160 से अधिक टूल्स एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। पॉलिटेक्निक संस्थानों में यह प्रदेश की पहली सबसे आधुनिक लैब है। कॉलेज के वर्कशॉप सुपरिंटेंडेंट एवं आइडिया लैब प्रभारी डॉ. आरवी पाटिल ने बताया कि यहां विद्यार्थी लेजर कटर, 3डी प्रिंटर, सीएनसी राउटर, सीओ२ लेजर कटर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित उपकरणों पर काम कर सकेंगे। कॉलेज की सभी नौ शाखाओं के छात्र अपने प्रोजेक्ट और नवाचार विकसित कर सकेंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर सी गुप्ता ने बताया कि लैब का जल्द शुभारंभ होगा। आइडिया लैब का उपयोग केवल शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तक सीमित नहीं रहेगा। दूसरे कॉलेजों और स्कूलों के विद्यार्थी भी यहां अपने प्रोजेक्ट तैयार कर सकेंगे।

20,101 प्रति क्विंटल बिका चिया सीड, खातेगांव मंडी में खरीदी शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● कृषि उपज मंडी में सोमवार को चिया सीड की खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। पहले ही दिन क्षेत्र के 49 किसान लगभग 367 क्विंटल उपज मंडी में विक्रय के लिए लाए। इस दौरान मंडी प्रशासन और व्यापारियों ने किसानों का साफा बांधकर सम्मान किया। मुहूर्त की नीलामी के दौरान खातेगांव निवासी किसान शत्रुघ्न की चिया सीड की उपज को विश्वास एग्रो फर्म ने 20,101 रुपए प्रति क्विंटल के उच्चतम भाव से खरीदा। स्थानीय मंडी में इतना बेहतर दाम मिलने पर किसानों ने खुशी और संतोष व्यक्त किया। किसानों ने बताया कि अब तक उन्हें चिया सीड बेचने के लिए यहां से करीब 400 किलोमीटर दूर नीमच मंडी जाना पड़ता था। खातेगांव में खरीदी शुरू होने से अब उनका भारी-भरकम परिवहन खर्च, दो से तीन दिन का समय और बाहर ठहरने की मजबूरी खत्म हो जाएगी। विधायक आशीष शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि

खातेगांव मंडी में चिया सीड का व्यापार शुरू होना क्षेत्र के अन्नदाताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे किसानों को अपने ही घर के पास एक बेहतर और प्रतिस्पर्धी बाजार मिलेगा, जिससे उनकी लागत में बड़ी कमी आएगी।

रोज-रोज का जाम, बनती जा रही स्मार्ट सिटी की पहचान...

इंदौर। करीब तीन घंटे तक लगे भीषण जाम ने खजराना, बंगाली चौराहा और वर्ल्ड कप चौराहे की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। वाहन रेंगते रहे, कई जगह गुत्थमगुत्था की स्थिति बनी और लोग लंबे समय तक सड़क पर फंसे रहे, जिससे हर कोई ट्रैफिक अमले को कोसता नजर आया।

आईडीए के नाम पर फिर बनी फर्जी एनओसी, पति और पत्नी पर केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के नाम से एक बार फिर फर्जी एनओसी बनाने का खेल सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने पति-पत्नी पर धोखाधड़ी की विविध धाराओं में केस किया है।

इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की स्कीम से मुक्ति के लिए फर्जी एनओसी का खेल हुआ है। हाल ही में आईडीए में एक फर्जी एनओसी का मामला आया था जिसमें वहीं के एक कर्मचारी की मिलीभगत की बात उठी थी। अब पति-पत्नी को आरोपी बनाया गया है।

इन पर हुआ है केस-आईडीए के भू-अर्जन अधिकारी सुदीप मीणा की शिकायत पर तुकोगंज पुलिस ने केस दर्ज किया है। यह केस तारा उपाध्याय और उनके पति राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, निवासी 97 विष्णुपुरी इंदौर, के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2), 336, 338 और 340 में दर्ज किया गया है। यह पुरानी चार सौ बीसी संबंधी धाराएं हैं।

यह है मामला-उपाध्याय दंपत्ती की स्कीम 97/4 के ग्राम हुकमाखेड़ी में सर्वे नंबर 95 व 96 के विविध बटांकन नंबर की कुल 0.142 हेक्टेयर जमीन है। इनके द्वारा आईडीए से निर्माण के लिए एनओसी मांगी गई। हालंकि योजना में होने के चलते इन्होनें एनओसी देने से मना कर दिया। लेकिन उपाध्याय दंपत्ती ने आईडीए के अधिकारी के नकली हस्ताक्षर,से एनओसी बनाकर टीएंडसीपी में पेश कर दी।

जब टीएडंसीपी ने आईडीए से पूछा तो उन्होंने मना कर दिया कि यह जारी नहीं हुई है। इसके बाद आईडीए ने इसमें पुलिस को शिकायत की जिसमें जांच के बाद यह केस दर्ज किया गया है।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-5 के विस्तार को मंजूरी, 2.74 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत

शहर में 24 कोच की ट्रेनों के लिए बढ़ेगी प्लेटफार्म की लंबाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रेलवे ने पार्क रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-पांच का विस्तार करने की तैयारी शुरू कर दी है। रेलवे महू एंड की ओर प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाएगा, ताकि 24 कोच वाली पूर्ण लंबाई की ट्रेनें यहां खड़ी हो सकें। सिंहस्थ-2028 से पहले इंदौर की रेल सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में पश्चिम रेलवे ने एक अहम कदम उठाया है। रेलवे ने पार्क रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-5 के विस्तार को मंजूरी देते हुए 2.74 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद प्लेटफार्म-5 पर 24 कोच वाली लंबी दूरी की ट्रेनें पूरी तरह खड़ी हो सकेंगी। फिलहाल कई ट्रेनों के अंतिम डिब्बे प्लेटफार्म से बाहर रह जाने के कारण यात्रियों को चढने-उतरने में परेशानी होती है। प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ने के बाद यह समस्या खत्म होगी और यात्रियों को अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही इस प्लेटफार्म से अधिक ट्रेनों का संचालन संभव होगा, जिससे इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव भी कम किया जा सकेगा। रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण के तहत प्लेटफार्मों के बीच मौजूद कर्व को भी हटाया जाएगा, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होगी। रेलवे का मानना है कि यह काम सिंहस्थ-2028 के दौरान संभावित भारी यात्री दबाव को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही महू में नया कोचिंग कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाएगा, जबकि लक्ष्मीबाई नगर और मांगलिया के गुड्स शेड का उन्नयन कर उनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी।

इन परियोजनाओं से माल परिवहन और कोचों के रखरखाव की व्यवस्था भी मजबूत होगी। रेलवे की यह योजना केवल एक प्लेटफार्म के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि इंदौर के रेल नेटवर्क को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

इंदौर आने वाली ट्रेनों की रफ्तार हुई धीमी, हमसफर एक्सप्रेस 4 घंटे लेट

इंदौर। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर पश्चिम रेलवे के रेल संचालन पर साफ दिखाई दे रहा है। मुंबई-इंदौर रूट पर चलने वाली कई ट्रेनें अपने शुरुआती स्टेशनों से देरी से रवाना हो रही हैं। हालांकि रेलवे परिचालन सामान्य बनाए रखने के लिए ट्रेनों की गति और संचालन में समन्वय कर रहा है, जिससे कुछ ट्रेनें रास्ते में अपना खोया समय कवर करने में सफल हो रही हैं। सोमवार सुबह मुंबई से इंदौर आने वाली अवंतिका एक्सप्रेस इसका उदाहरण रही। ट्रेन बोरीवली और वलसाड जैसे स्टेशनों पर देरी से पहुंची, लेकिन बाद के सफर में समय की भरपाई करते हुए निर्धारित समय पर इंदौर पहुंच गई। दूसरी ओर ट्रेन क्रमांक 20915 इंदौर हमसफर एक्सप्रेस पर बारिश का असर अधिक देखने को मिला। ट्रेन करीब चार घंटे की देरी से चल रही है। परिचालन कारणों से इसे दौंड जंक्शन से सूरत के बीच डायवर्ट भी किया गया है। ट्रेन का इंदौर पहुंचने का निर्धारित समय रात 12:15 बजे है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसके मंगलवार सुबह करीब 4 बजे पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

रील का चस्का, प्रशासन के आदेश का पलीता

पातालपानी में पुलिस ने दिखाई सख्ती, रैलिंग फांदने वाले युवकों से लगवाई उठक-बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

महू ● मानसून के दौरान पातालपानी जलप्रपात पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़ के बीच रविवार को पुलिस ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाई। कई युवक सुरक्षा रैलिंग पार कर खाई, नदी और चट्टानों तक पहुंच गए तथा सेल्फी और रील बनाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते नजर आए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, सभी को सुरक्षित वापस बुलाया और सार्वजनिक रूप से उठक-बैठक लगवाकर भविष्य में ऐसी लापरवाही नहीं करने की कड़ी चेतावनी दी।

डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि रविवार दोपहर बड़ी संख्या में पर्यटक पातालपानी पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ युवक सुरक्षा रैलिंग फांदकर खाई के किनारे और नदी की तेज बहती धाराओं तक पहुंच गए। कई लोग चट्टानों पर बैठकर फोटो और सेल्फी लेते रहे, जबकि कुछ पर्यटक नदी पार कर पहाड़ी के दूसरे छोर तक भी पहुंच गए। पुलिस ने तत्काल सभी को सुरक्षित स्थान पर लौटाया और समझाइश देते हुए भविष्य में सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों खिलाफ अगली बार सीधे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पर्यटकों से अपील की गई कि वे सुरक्षा रैलिंग के भीतर रहकर ही प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें। बारिश के मौसम में पातालपानी क्षेत्र में जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, जिससे नदी और झरने के आसपास की स्थिति कुछ ही क्षणों में खतरनाक हो सकती है। करीब एक दशक पहले अचानक जलस्तर बढ़ने से एक परिवार नदी के बीच फंस गया था और तेज बहाव में बह गया था। इसके बावजूद हर वर्ष मानसून के दौरान कई पर्यटक चेतावनियों की अनदेखी करते हुए जोखिम उठाते दिखाई देते हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या और संभावित खतरे को देखते हुए इंदौर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा ने रविवार को जामगेट और पातालपानी पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा अर्बन चैलेंज फंड के तहत होगा काम

जलापूर्ति व्यवस्था होगी हाईटेक, पुरानी पाइप लाइन बदलेंगे, प्रेशर से आएगा हर जगह पानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की वर्षों पुरानी और जर्जर जलापूर्ति व्यवस्था को आधुनिक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड के तहत इंदौर में व्यापक जलापूर्ति सुधार परियोजना प्रस्तावित की जा रही है। इसके तहत पुराने शहर की पुरानी पाइपलाइनें चरणबद्ध तरीके से बदली जाएंगी, नए विकसित क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी और पूरे शहर में समान प्रेशर से पानी उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा।

यह जानकारी सांसद शंकर लालवानी ने नई दिल्ली में अर्बन चैलेंज फंड से संबंधित संसदीय समिति की बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के साथ इंदौर की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत समीक्षा की गई है। योजना का उद्देश्य अगले कई दशकों की आबादी और बढ़ते शहरी विस्तार के अनुरूप जलापूर्ति नेटवर्क को मजबूत और तकनीक आधारित बनाना है। परियोजना तहत पुराने इलाकों में जर्जर पाइपलाइनें बदली जाएंगी, जबकि तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में बड़े व्यास की नई पाइपलाइन डाली जाएगी, ताकि भविष्य में भी पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जिन क्षेत्रों में उपचारित (ट्रीटेड) पानी का उपयोग संभव है, वहां डबल पाइपलाइन सिस्टम विकसित किया जाएगा। इससे पीने के पानी और उपचारित पानी की अलग-अलग आपूर्ति संभव होगी और पेयजल की बचत होगी।

मानकों की होगी निगरानी

हर जोन में स्वचालित क्लोरीनेशन और जल गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली भी स्थापित की जाएगी। क्लोरीन की मात्रा, पानी की शुद्धता और अन्य गुणवत्ता मानकों की लगातार ऑनलाइन निगरानी होगी। गड़बड़ी होने पर अधिकारियों को तुरंत अलर्ट मिलेगा और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। सांसद लालवानी ने अधिकारियों को परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र तैयार कर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

सांसद लालवानी ने स्पष्ट किया कि अमृत-2.0 योजना में इंदौर के लिए स्वीकृत राशि इन सभी कार्यों के लिए पर्याप्त नहीं है। यदि अतिरिक्त वित्तीय सहायता नहीं मिली तो नगर निगम को लगभग 1800 करोड़ रुपए का ऋण लेना पड़ सकता है। इसलिए इन कार्यों को अर्बन चैलेंज फंड में शामिल कर केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे निगम पर कर्ज का बोझ कम होगा और परियोजना बिना अतिरिक्त ऋण के पूरी की जा सकेगी। यदि यह परियोजना स्वीकृत होती है तो इंदौर की जलापूर्ति व्यवस्था तकनीक आधारित, अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित होगी। इससे शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल, समान जलदाब और बेहतर गुणवत्ता वाली जलापूर्ति का लाभ मिलेगा।

रंजीता की सुसाइड या मर्डर, बहन बोली, बेटे की चाहत में किया प्रताड़ित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की रहने वाली रंजीता की शादी आमला (बैतूल) के कपड़ा कारोबारी प्रशांत यादव से साल 2016 में हुई थी। रंजीता का शव 3 जुलाई को बाथरूम के शावर में गीली चुन्नी से लटका हुआ मिला था। रंजीता की बड़ी बहन विजेता यादव ने इस मामले में ससुराल पक्ष पति प्रशांत, ससुर सुरेंद्र यादव, सास पुष्पा यादव और देवरानी मुस्कान यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

विजेता ने आरोप लगाए हैं कि मेरी बहन को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। उसकी नौ साल की बेटी थी, फिर उस पर लगातार ससुराल पक्ष ने दबाव डाला कि बेटा हो। आखिरकार 37 साल की उम्र में दबाव के चलते वह गर्भवती हुई लेकिन अप्रैल में ही दूसरी बेटी हुई। इसके बाद ताने मारे गए। सार, ससुर और देवरानी टार्चर करते थे। वह इंदौर आ गई थी, और 20 मई को ही वह वापस ससुराल गई थी।

विजेता ने आरोप लगाए कि मेरी बहन को लेकर झूठ बोला जा रहा है कि उसे डिप्रेशन था, जबकि केवल माइग्रेन की समस्या

था। मैं खुद मेंटल हेल्थ काउंसलर हूं, मुझे तो यह पता चलता। मुझे नहीं पता कि यह मर्डर है या फिर सुसाइड के लिए ससुराल वलों ने उकसाया और परेशान किया। लेकिन इस मामले की जांच को दबाया जा रहा है।

बड़ी बहन ने खुलकर आरोप लगाए कि इस मामले को दबाने और जांच प्रभावित करने के लिए देवरानी मुस्कान यादव के पक्ष के लोग रसूख का इस्तेमाल कर रहे हैं। वह राजनीतिक रूप से जुड़े हुए लोग हैं। पुलिस को बयान में यह लिखवा रहे हैं कि हमने बच्ची को बाथरूम का दरवाजा खटखटाने पहुंचाया, लेकिन नहीं खुला हमे अनहोनी की आशंका हुई तो प्रशांत को फोन करके बुलाया और 15 मिनट बाद दरवाजा खोला तो रंजीता शावर में गीली चुन्नी के फंदे से लटकी हुई थी।

डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार से हटेगा प्रभारी शब्द

पदोन्नति के लिए पीएससी में हुई डीपीसी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र में सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा पदोन्नति के संबंध में दिशा निर्देश जारी करने के बाद मप्र लोक सेवा आयोग (पीएससी) में सोमवार को डीपीसी बैठक हुई। इसके पीएस सामान्य प्रशासन एम. शेलवेंद्रन और पीएस राजस्व ई. रमेश कुमार इंदौर पहुंचे थे। दोनों सुबह ही आयोग के दफ्तर पहुंच गए और वहां देर रात तक बैठक हुई।

इस पदोन्नति प्रक्रिया से करीब 450 अधिकारियों को लाभ मिलेगा। इनमें प्रभारी डिप्टी कलेक्टर और प्रभारी तहसीलदार दोनों शामिल हैं। पदोन्नति के बाद इन अधिकारियों के नाम के आगे लगा 'प्रभारी' शब्द हट जाएगा। उन्हें नियमित पद पर नियुक्ति मिलेगी। इस फैसले से वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है।

250 अधिकारी बनेंगे डिप्टी कलेक्टर

जानकारी के अनुसार करीब 250 प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अब औपचारिक तौर पर डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नत होंगे। यह मुख्य तौर पर साल 2008 बैच के चयनित नायब तहसीलदार हैं, जो साल 2014 में तहसीलदार बन गए। लेकिन इसके बाद जो पदोन्नति औसतन 6 साल में होकर डिप्टी कलेक्टर होना थी वह नहीं हुई। बाद में इन्हें उच्च पद का प्रभार दे दिया गया। अब औपचारिक तौर पर यह डिप्टी कलेक्टर बनेंगे, जिसके बाद आगे संयुक्त कलेक्टर बनने का रास्ता खुलेगा।

नायब तहसीलदार से तहसीलदार बनेंगे-इसके साथ ही करीब 200 प्रभारी तहसीलदार औपचारिक तौर पर तहसीलदार पद पर पदोन्नत होंगे। अभी इन सभी को प्रभार सौंपा हुआ था। इसके बाद इनके आगे डिप्टी कलेक्टर बनने के रास्ते खुलेंगे।

इंदौर में ये होंगे पदोन्नत-इंदौर से प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अजय शुक्ला, निधि वर्मा, सीमा कनेश, प्रियंका चौरसिया, सीएस हुड्डा, विनोद राठौर यह सभी पदोन्नत होंगे। वहीं इंदौर में लगभग सभी प्रभारी तहसीलदार भी पदोन्नत हो रहे हैं।

छह साल से रुकी थी प्रक्रिया-राज्य में पदोन्नति प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई थी। इसका असर राजस्व विभाग के सैकड़ों अधिकारियों पर पड़ा। इस दौरान कई अधिकारियों को उच्च पद का केवल प्रभार दिया गया। लेकिन नियमित पदोन्नति नहीं मिल सकी। अब विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक होने के बाद वर्षों से लंबित मामला आगे बढ़ गया है।

खजराना सिविल अस्पताल के नाम पर दवाओं-उपकरणों की नहीं हुई कोई खरीदी

स्टाफ अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में दे रहा सेवाएं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के खजराना में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल को लेकर विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में प्रसारित समाचारों के परिप्रेक्ष्य में जिला प्रशासन ने तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट की है। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त विस्तृत प्रतिवेदन के आधार पर बताया गया है कि अस्पताल निर्माण में विलंब का प्रमुख कारण स्वास्थ्य विभाग को आवंटित भूमि का वास्तविक हस्तांतरण नहीं हो पाना है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि अस्पताल के लिए नियुक्त मानव संसाधन का उपयोग वर्तमान में जनहित में शहर की अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है तथा अस्पताल के नाम पर अब तक किसी प्रकार की दवा अथवा उपकरणों की खरीदी नहीं की गई है।

जिला प्रशासन के अनुसार ग्राम खजराना स्थित सर्वे क्रमांक 435/1/1 पैकी, रकबा 0.700 हेक्टेयर भूमि सिविल अस्पताल निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग को आवंटित की गई थी। हालांकि संबंधित भूमि का वास्तविक कब्जा और हस्तांतरण स्वास्थ्य विभाग को अब तक प्राप्त नहीं हो सका है। बताया गया कि वर्तमान में उक्त भूमि का उपयोग नगर निगम इंदौर द्वारा किया जा रहा है, जिसके कारण अस्पताल भवन निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो सकी है। इस संबंध में 6 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आश्वस्त किया कि सिविल अस्पताल के लिए आवंटित भूमि से कब्जा हटवाकर उसे स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के लिए आवश्यक भूमि आवंटन की औपचारिकताएं पूरी कर भवन निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।